संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -121 शनिवार , 02 मार्च 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

इंडिया गठबंधन की सीट हुई निश्चित

48 लोकसभा सीटों में से उद्धव 20,कांग्रेस 18 और शरद 10 पर उतारेंगे प्रत्याशी

मुंबई,01 मार्च 2024 (ए)। महाराष्ट्र में इंडिया की तीन पार्टियों के बीच 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए सीट शेयरिंग पर बात बन गई है। राज्य की 48 लोकसभा सीटों में से उद्धव ठाकरे की शिवसेना 20 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस को 18 और शरद पवार की एनसीपी को 10 सीटें मिली हैं। तीनों पार्टियां महाविकास अघाड़ी अलायंस के तहत महाराष्ट्र में एक साथ हैं।

सूत्रों की मानें तो रीजनल पार्टी वंचित बहुजन अगाड़ी को शिवसेना (उद्धव गुट) के हिस्से से दो सीटें मिलेंगी। व्हीबीए ने पहले 5 सीटों की मांग की थी। इसके अलावा निर्दलीय राजू शेट्टी को शरद पवार की पार्टी का समर्थन मिलेगा। सीट शेयरिंग को लेकर एक-दो दिन में आधिकारिक घोषणा हो सकती है।

मुंबई की 4 सीटों पर उद्धव उतारेंगे अपने उम्मीदवार...

सूत्रों का कहना है कि शिवसेना मुंबई की छह लोकसभा सीटों में से 4 पर चुनाव लड़ेगी, जिनमें से एक- मुंबई नॉर्थ ईस्ट व्हीबीए को दी जा सकती है। मुंबई की 6 सीटों पर कांग्रेस और उद्धव के बीच सहमति नहीं बन पा रही थी।

इस सिलसिले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने 22 फरवरी को उद्धव ठाकरे से बातचीत भी की थी। राहुल ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बीच उद्धव को फोन किया और करीब एक घंटे बात की थी। कांग्रेस मुंबई की 3 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती थी।

इसमें मुंबई साउथ सेंट्रल, मुंबई नॉर्थ सेंट्रल और मुंबई नॉर्थ वेस्ट शामिल है। हालांकि उद्धव ने मुंबई की 4 सीट- मुंबई साउथ, मुंबई नॉर्थ वेस्ट, मुंबई नॉर्थ ईस्ट और मुंबई साउथ सेंट्रल अपने लिए मांगी थी। दोनों पार्टियों के बीच किन-किन सीटों पर सहमति बनी है, यह अभी स्पष्ट नहीं सका है। शिवसेना (तब अविभाजित थी) ने 2019 के चुनावों में 48 में से 22 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इनमें से 18 पर जीत हासिल की, जिसमें मुंबई की तीन सीटें शामिल थीं।

2019 में शिवसेना-भाजपा का 25 साल पुराना साथ टूटा

महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों पर भी 2019 में चुनाव हुए थे। तब शिवसेना और भाजपा साथ थे। बीजेपी 106 विधायकों के साथ राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनी। शिवसेना ने 56 सीटों पर जीत हासिल की। इसके बाद शिवसेना ने ढाई-ढाई साल के लिए सीएम के फॉर्मूले का दांव चला, लेकिन एनसीपी नहीं मानी।इसके कारण विधानसभा चुनाव के कुछ महीनों बाद ही उद्धव ने भाजपा के साथ 25 साल पुराना गठबंधन तोड़ दिया। शिवसेना ने 44 विधायकों वाली कांग्रेस और 53 विधायकों वाली एनसीपी के साथ मिलकर महाविकास अघाड़ी अलायंस बनाकर सरकार बनाई, उद्धव ठाकरे सीएम बने थे।

आईटी छापे में 60 करोड़ से ज्यादा की कारें जब्त

- नोटों के बंडल कर देंगे हैरानज़रोल्स रॉयस फैंटम, लेम्बोर्गिनी, फेरारी...
- तंबाकू निर्माता कंपनियों के ठिकानों पर छापेमारी कर करोड़ों रुपये जब्त

कानपुर,01 मार्च 2024 (ए)। आयकर विभाग ने कानपुर की एक तंबाकू कंपनी पर छापा मारा है। इस छापेमारी में जो सामान मिला उसे देखकर आपकी आंखें जरूर फटी की फटी रह जाएंगी। आपको आश्चर्य हो सकता है कि एक तंबाकू कंपनी कितना राजस्व कमा सकती है। ऐसे में आयकर विभाग ने कानपुर में बंशीधर टोबैको कंपनी के कई ठिकानों पर छापेमारी की। 15 से 20 टीमों ने कानपुर समेत 5 राज्यों में इस ऑपरेशन को अंजाम दिया।

इस छापेमारी में आयकर विभाग को 60 करोड़ से ज्यादा की लग्जरी कारें मिली हैं। ये कारें दिल्ली स्थित उनके आवास पर रखी गई थीं। इन कारों में सबसे महंगी कार रोल्स रॉयस फैंटम थी, जिसकी कीमत 16 करोड़ रुपये है। बंशीधर टोबैको के मालिक केके मिश्रा के बेटे शिवम मिश्रा के घर पर छापेमारी में करोड़ों रुपये की मैकलेरन, लेम्बोर्गिनी, फेरारी जैसी कारें भी मिलीं। इस छापेमारी में आयकर विभाग ने कुल साढ़े चार करोड़ की नकदी भी जब्त की है। इसके अलावा कुछ दस्तावेज भी आयकर विभाग ने जब्त किए हैं।

कंपनी पर धोखाधड़ी का आरोप

आयकर विभाग के सूत्रों के मुताबिक कंपनी लॉग में दर्ज कंपनियों को फर्जी चेक जारी किए जा रहे थे। इसके अलावा कंपनी कई अन्य बड़े पान मसाला घरानों के उत्पादों की आपूर्ति कर रही थी। सूत्रों के मुताबिक कंपनी ने अपना टर्नओवर 20-25 करोड़ रुपये दिखाया, लेकिन असल टर्नओवर 100-150 करोड़ रुपये के आसपास रहने का अनुमान है।

6 गाड़ियों में आए थे अधिकारी

मिली जानकारी के मुताबिक करीब 80 साल से तंबाकू का कारोबार करने वाली फर्म के मालिक केके मिश्रा उर्फ मुन्ना मिश्रा का नयागंज में पुराना ऑफिस है। गुरुवार दोपहर करीब 1.30 बजे आयकर विभाग के अधिकारी 6 गाड़ियों में आए और पूरे इलाके को अपने कब्जे में ले लिया।

वहां मौजूद कर्मचारियों के मोबाइल फोन भी छीन लिये गये। दस्तावेज़ और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त किए गए। रियल एस्टेट, बेनामी संपत्तियों के अलावा नकदी की भी तलाश की जा रही है। आयकर विभाग की 15 से 20 टीमें गुजरात के अहमदाबाद, उत्तर प्रदेश के कानपुर, आंध्र प्रदेश और दिल्ली में छापेमारी कर रही हैं।

मार्च महीने के पहले दिन ही जनता को लगा बड़ा झटका

आज से बढ़ गए एलपीजी सिलेंडरों के दाम

नई दिल्ली,01 मार्च 2024 (ए)। सरकारी तेल-गैस कंपनियों ने लोगों को रंगों के त्योहार होली से पहले बड़ा झटका दे दिया है। कंपनियों ने आज से एलपीजी सिलेंडरों के दाम बढ़ाने का ऐलान किया है। दाम में यह बढ़ोतरी 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों के लिए की गई है, जो महीने की पहली तारीख यानी आज शुक्रवार से लागू हो गई है।

सरकारी तेल कंपनियों इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने यह बढ़ोतरी 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर के दाम में की है। विभिन्न शहरों में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम आज से 25.50 रुपये तक महंगे हो गए हैं। जबकि 14 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। यह कमर्शियल सिलेंडरों के दाम में लगातार दूसरी बढ़ोतरी है। साल 2024 में

अब तक दो बार 19 किलो वाले एलपीजी सिलेंडरों के दाम बढ़ाए जा चुके हैं। सरकारी तेल-गैस कंपनियों ने दाम बढ़ाने का यह ऐलान ऐसे समय किया है,जब इसी महीने होली का त्योहार है। रंगों का त्योहार होली देश भर में 24-25 मार्च को मनाया जाने वाला है। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम 1,795.00 रुपये हो गए हैं. इससे पहले यह 1,769.50 रुपये में मिल रहा था। इस तरह दिल्ली में भाव में 25.50 रुपये की तेजी आई है। मुंबई में 19 किलो वाले सिलेंडर के दाम अब 1723.50 रुपये से बढ़कर 1749 रुपये हो गए हैं। कोलकाता में अब यह सिलेंडर 1911 रुपये में मिलेगा, जो इससे पहले 1887 रुपये में मिल रहा था। चारों बड़े शहरों में कमर्शियल सिलेंडर सबसे ज्यादा महंगा चेन्नई में है. चेन्नई में भाव अब 1937 रुपये से बढ़कर 1960.50 रुपये हो गया है। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी दिल्ली और मुंबई में हुई है, जहां दाम 25.50 रुपये प्रति सिलेंडर बढ़ाए गए हैं। वहीं कोलकाता में 24 रुपये की और चेन्नई में 23.50 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले फरवरी महीने में 19 किलो वाले एलपीजी सिलेंडरों के दाम 14 रुपये तक बढ़ाए गए थे। इसका मतलब हुआ कि एक महीने के अंतराल में कमर्शियल सिलेंडर दूसरी बार महंगे हुए हैं।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर यानी 14 किलो वाले सिलेंडर की बात करें तो इस बार भी दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। घरेलू सिलेंडर के भाव में पछले कई महीने से कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसमें आखिरी बार 30 अगस्त को बदलाव हुआ था। मतलब 6 महीने से 14 किलो वाले सिलेंडर के भाव स्थिर हैं। अभी घरेलू एलपीजी सिलेंडर दिल्ली में 903 रुपये में मिल रहा है। वहीं इसका भाव चेन्नई में 918.50 रुपये, मुंबई में 902.50 रुपये और कोलकाता में 929 रुपये है.

पूर्व के दो मंत्री बंगले का मोह नहीं छोड़ पा रहे

संपदा संचनालय ने बेदखली का जारी किया नोटिस

भोपाल,01 मार्च 2024 (ए)। मध्य प्रदेश के दो पूर्व मंत्रियों को बंगला खाली करने का नोटिस जारी किया गया है। शिवराज सिंह की सरकार में मंत्री रहे दो नेताओं भारत सिंह कुशवाहा और उषा ठाकुर को बंगला खाली करने को लेकर नोटिस दिया गया. हालांकि माननीयों का बंगले को लेकर मोह भंग नहीं हो रहा है। यह नोटिस न्यायालय सक्षम प्राधिकारी मध्य प्रदेश लोक परिषद (बेदखली) अधिनियम भोपाल से जारी किया गया है। भारत सिंह कुशवाहा विधानसभा चुनाव हार चुके हैं, जबकि

उषा ठाकुर महू से विधायक हैं. दोनों वर्तमान में मंत्री नहीं हैं, लेकिन दोनों ने अब तक मंत्रियों वाले बंगले खाली नहीं किए, जिसके लिए वह सक्षम नहीं हैं। अब संपदा संचनालय ने दो पूर्व मंत्रियों को बंगला खाली करने का नोटिस थमा दिया है।

मुस्लिम पक्ष की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में टली सुनवाई

ज्ञानवापी मस्जिद मामला

नई दिल्ली,01 मार्च 2024 (ए)। ज्ञानवापी मस्जिद मामले में व्यासजी के तहखाने में पूजा पर रोक लगाने वाली मुस्लिम पक्ष की याचिका पर फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई है. इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने कहा है कि वर्तमान मामले को संबंधित मामलों के साथ टैग करने का निर्णय लिया है और इन सबकी साथ में ही सुनवाई की जाएगी.

आसाराम बापू को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत

नई दिल्ली,01 मार्च 2024 (ए)। रेप के मामले में सजा काट रहे आध्यात्मिक गुरु आसाराम बापू को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। उन्होंने कोर्ट के समक्ष सजा पर रोक लगाने और जमानत की मांग की थी।सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका को ठुकराते हुए उन्हें जमानत के लिए राजस्थान हाई कोर्ट जाने के लिए कहा है। साथ ही कोर्ट ने राजस्थान हाई कोर्ट से मामले मे जल्द सुनवाई को कहा।आसाराम ने चिकित्सा के आधार पर अंतरिम जमानत मांगी थी।आसाराम के वकील ने सुनवाई के दौरान कोर्ट से कहा था कि उनके मुवक्किल को महाराष्ट्र में हिरासत के दौरान आयुर्वेदिक उपचार देने की अनुमति दी जाए। इस पर कोर्ट ने यह मांग भी राजस्थान हाई कोर्ट के समक्ष दायर करने को कहा है।बता दें, आसाराम बापू ने इससे पहले सितंबर 2023 में भी सुप्रीम कोर्ट से जमानत मांगी थी, जिसे अस्वीकार कर दिया गया था।।राजस्थान हाई कोर्ट भी 2022 में जमानत देने से इंकार कर चुका है।

आसाराम बापू को 2013 में जोधपुर के आश्रम में नाबालिग लड़की से रेप करने का आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद सूरत में 2 बहनों ने भी उन पर और उनके बेटे नारायण साईं पर रेप का मामला दर्ज कराया था।जोधपुर मामले में सुनवाई 4 साल तक चली और ट्रायल कोर्ट ने उन्हें 2018 में दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।आसाराम बापू लंबे समय से न्यायिक हिरासत में हैं।

2 बच्चों से ज्यादा तो सरकारी नौकरी नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने भी लगाई मुहर

नई दिल्ली,01 मार्च 2024 (ए)। राजस्थान में पंचायत चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के साथ-साथ अब सरकारी नौकरी के लिए भी 2 बच्चों' की नीति अनिवार्य कर दी गई है. सुप्रीम कोर्ट से भी इसकी मंजूरी मिल चुकी है। दो अधिक बच्चों वाले कैंडिडेट जो सरकारी नौकरी की तलाश में हैं, उनके लिए यह झटका है। करीब 21 वर्ष पहले सुप्रीम कोर्ट ने पंचायत चुनाव के लिए इस नीति को अनिवार्य कर दिया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने पूर्व सैनिक राम लाल जाट द्वारा दायर अपील को खारिज कर दिया। वह 2017 में सेवा से रिटायर हो गए थे और उन्होंने 25 मई 2018 को राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल पद के लिए आवेदन किया था। उनकी उम्मीदवारी को राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा नियम, 1989 के नियम 24(4) के तहत खारिज कर दिया गया था।

युवक ने सीएम और कलेक्टर को दी खुली धमकी

इंदौर,01 मार्च 2024 (ए)। मध्य प्रदेश के इंदौर में एक युवक का एनजीओ टीम के साथ अभद्र व्यवहार

करने का मामला सामने आया है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में युवक भिक्षुक मुक्त अभियान चलाने वाली टीम के साथ दुर्व्यवहार करते नजर आया।

दरअसल इंदौर में भिक्षुक मुक्त अभियान के तहत एनजीओ की टीम लगातार भिक्षावृत्ति करने वाले और भिक्षा वृत्ति व्यक्ति करवाने वालों पर सड़कों पर कार्रवाई करती हुई दिखाई दे रही है। अलग-अलग जगह पर एनजीओ की टीम कलेक्टर के आदेश पर पहुंच कर कार्रवाई कर रही है।ऐसा ही एक मामला इंदौर के परदेसीपुरा थाना क्षेत्र का सामने आया है। जहां मौके पर पहुंची टीम के साथ भिक्षा व्रती करवाने वाले एक युवक ने जमकर बदतमीजी की और इसके साथ मुख्यमंत्री और कलेक्टर के बारे में भी अपशब्द कहते हुए नजर आया। इतने में युवक नहीं रुका मोदी जी को भी बुला लो कह रहा है। पूरे मामले की एनजीओ ने पुलिस से शिकायत की है।अब पुलिस ने पूरे मामले में एफआईआर दर्ज कर युवक की तलाश शुरू कर दी है। घटना के बाद युवक मौके से फरार हो गया है।

पीएम मोदी ने झारखंड को दी 36 हजार करोड़ की सौगात

कहा- आज मोदी की एक और गारंटी पूरी हुई

धनबाद ,01 मार्च 2024 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को झारखंड के सिंदरी से करीब 36 हजार करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास और शुभारंभ किया। उन्होंने सिंदरी में हिन्दुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड का नया संयंत्र राष्ट्र को समर्पित करते हुए इसे भारत की आत्मनिर्भरता की ओर एक बड़ा कदम बताया।प्रधानमंत्री ने चतरा जिले के नॉर्थ कर्णपुरा में एनटीपीसी की 660 मेगावाट की क्षमता वाली विद्युत उत्पादन इकाई और रामगढ़ जिले के नॉर्थ उरीमारी में सीसीएल (सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड) के कोल हैंडलिंग प्लांट का भी उद्घाटन किया। उन्होंने देवघर से गोड्डा को जोडने वाली नई रेल लाइन एवं टोरी शिवपुर तीसरी रेलवे लाइन को लोकार्पित किया और देवघर-डिब्रूगढ़ के बीच नई ट्रेन, टाटा बादमपहाड़ डेली मेमू ट्रेन को भी रवाना किया। इसके अलावा पीएम मोदी ने रेलवे की सात

परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया।

इस मौके पर उपस्थित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने यह संकल्प लिया था कि सिंदरी में बंद पड़े खाद कारखाने को पुनर्जीवित करूंगा। 2018 में इसका शिलान्यास किया था और आज उद्घाटन किया है। यह मोदी की गारंटी थी और आज यह गारंटी पूरी हुई है।उन्होंने कहा कि सिंदरी खाद कारखाने की फिर से शुरुआत झारखंड और देश के नौजवानों के लिए रोजगार के हजारों नए अवसरों की शुरुआत है।

दबंगों ने फोटोग्राफर को दी भयानक मौत

बर्थडे पार्टी में कैमरे की बैटरी हुआ था डिस्चार्ज कैमरामैन के मुंह में मारी गोली मौके पर मौत

दरभंगा,01 मार्च 2024 (ए)। बिहार के दरभंगा से हत्या का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक जन्मदिन की पार्टी में फोटोग्राफर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि कैमरे की बैट्री डिस्चार्ज होने से नाराज लोगों ने उसके मुंह में गोली मारी दी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। जन्मदिन की पार्टी में शराब के साथ बार-बालाओं का डांस चल रहा था। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

बताया जा रहा है कि बैट्री डिस्चार्ज होने के बाद पहले फोटोग्राफर के साथ मारपीट की गई। जब आरोपियों का इससे भी मन नहीं भरा तो उसके मुंह के अंदर पिस्तौल डालकर गोली मार दी।

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि जन्मदिन की पार्टी में जश्न मना रहे लोगों ने बार-बालाओं के साथ डांस करते हुए हर्ष फायरिंग भी की थी। घटना दरभंगा जिले के बहेड़ी थाना क्षेत्र के मखनाहा गांव की है। गांव के ही राकेश सहनी के पुत्री के जन्मदिन की पार्टी थी इसी पार्टी को कवर करने के लिए गांव के ही वीडियो फोटोग्रफर सुशील कुमार साहनी को बुलाया गया था।

सुशील साहनी पार्टी में लगातार वीडियो बना रहे थे। काफी देर बाद उनके कैमरे की बैट्री खत्म हो गई। इसके बाद सुशील और राकेश नाम के युवक के साथ उसकी बहस हो गई। सुशील ने बैट्री चार्ज कर फिर से पार्टी में पहुंचा लेकिन शराब के नशे में गुस्साए राकेश सहानी ने सुशील के साथ पहले मारपीट की फिर उसके मुंह में गोली मार दी। इस दौरान पार्टी में खलबली मच गई और आरोपी राकेश ने सुशिल को गंभीर हालत में दरभंगा के डीएमसीएच अस्पताल ले गया और गेट पर ही छोड़कर फरार हो गया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची सुशील के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाला है। गांव के पंचायत के सरपंच अहमद ने बताया की राकेश साहनी शराब का कारोबारी है और जन्मदिन मनाने को लेकर यहां अपने साथियों के साथ आया था।मृतक के भाई रविंदर कुमार ने बताया कि उसका भाई सुशील कुमार शादी ब्याह में वीडियो रिकार्डिंग का काम करता था। राकेश साहनी के घर उसकी बेटी की जन्मदिन की पार्टी थी। राकेश के भाई ने सुशली को जन्मदिन में फोटोग्राफी के लिए महज 500 रुपये के लिए बुक किया था। पार्टी देर रात तक चलने के कारण कैमरे की बैट्री डिस्चार्ज हो गई। बैट्री चार्ज करने के बाद सुशील फिर से पार्टी में पहुंचा। तो राकेश साहनी से उसकी बहन हो गई पहले सुशील को पीटा फिर उसके मुंह में पिस्तौल डालकर गोली मार दी।

संपादकीय

कानून का भय ही नहीं

आखिर देश में कानून और सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का यह हाल क्यों हो गया है कि एक कंपनी उसकी तनिक परवाह नहीं करती? क्या इसका कारण गुजरे वर्षों में हुई बड़ी परिघटनाएं नहीं हैं, जिनमें कानून के राज की धज्जियां उड़ाई गई हैं?सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही इस वजह से शुरू की है कि इस कंपनी ने उसके पहले के आदेश का पालन नहीं किया। कोर्ट ने अपनी दवाओं के बारे में मीडिया में भ्रामक विज्ञापन देने से उसे मना किया था। लेकिन कंपनी ने कोर्ट में हलफनामा देने के बावजूद उसकी परवाह नहीं की। जैसाकि कि दो जजों की पीठ ने कहा, यह कंपनी अपने इश्तहार में औषधि एवं जादू-टोना उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम-1954 का उल्लंघन कर रही है। ऐसा खुलेआम चल रहा है और केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने भी इस पर कोई कार्रवाई नहीं की है। न्यायालय ने इस पर आक्रोश जताया। आयुष मंत्रालय से कहा- सारे देश की आंख में धूल झोंकी गई है। और आपने अपनी आंख बंद कर रखी है। दो साल से आप इस महत्त्वपूर्ण घटना (यानी न्यायिक आदेश) का इंतजार कर रहे हैं, जबकि औषधि कानून से खुद यह स्पष्ट है कि ऐसे विज्ञापन प्रतिबंधित हैं। यह मामला इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सुप्रीम कोर्ट ले गया है।अब एक बार फिर से कोर्ट ने प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में ऐसे विज्ञापनों के प्रकाशन या प्रसारण पर रोक लगाने को कहा है। मगर इस क्रम में यह विचारणीय है कि आखिर देश में कानून और सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का यह हाल क्यों हो गया है कि एक कंपनी उसकी तनिक परवाह नहीं करती? क्या इसका कारण गुजरे वर्षों में हुई बड़ी परिघटनाएं नहीं हैं, जिनमें खुद सत्ता-तंत्र के ऊंचे स्तरों पर बैठे लोगों के संरक्षण में कानून के राज की धज्जियां उड़ाई गई हैं? जब एक स्तर पर ऐसी घटना होती है और सरकार से लेकर न्यायपालिका तक उसकी परवाह नहीं करतीं, तो फिर सबको यही संदेश जाता है कि कानून सबके लिए समान नहीं है, ना ही यह सबसे ऊपर है। पतंजलि आयुर्वेद जैसी कंपनियां धन और सत्ता-तंत्र तक पहुंच के लिहाज से प्रभावशाली मानी जाती हैं। ऐसे में अगर उसके अधिकारियों ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का अनादर किया, तो उसे आज के व्यापक संदर्भ में रखकर ही देखा जाएगा। उस संदर्भ में जिसमें रसूखदार लोग खुद को कानून से ऊपर समझने लगे हैं।

रौब झाड़ने की सनक

कुछ लोग, कुछ जातियां, कुछ वर्ग,
रौब झाड़ने की सनक
विरासत में पा लेना मानते हैं,
वो इन्सानों को इंसान नहीं जानते हैं,
क्या उनके शक्लोसूरत,
उनका रक्त,अलग होता है?
दुनिया में आने के तरीके अलग होते हैं?
वो अलग तरह से हंसते या रोते हैं?
मानव होने का सामान्य सा बोध
क्यों नहीं कर पाते हैं? क्यों नहीं सुधर पाते हैं?
जातिय गर्वोक्तता की सनक कब तक,
वे क्यों नहीं पा रहे संवैधानिक व्यवस्था में रच बस,
दरअसल ये सब सिर्फ खुद को
सर्वोच्च व अन्य को निकृष्ट मानने की
एक मानसिक बीमारी के सिवाय और कुछ नहीं है,
संवैधानिक शक्तियों की अक्षमता
ही सबसे ज्यादा जिम्मेदार है,
लागू करने वालों की नजर में
देश नहीं एक परिवार है,
आम अवाम बिना सोचे समझे
किन किन को पॉवर सौंप देते हैं,
जो बाकी काम करे या नहीं लेकिन
जो रौब झाड़ने की सनक पाल लेते हैं।

राजेन्द्र लाहिरी
पामगढ़
छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

अन्नदान महादान : स्कूली बच्चों को न्योता भोजन में मिलेगा पौष्टिक आहार

छत्तीसगढ़ में दानवीर लोगों की कमी नहीं है। वैसी भी दान देने की परम्परा हमारे समाज में प्राचीन काल से चली आ रही है। यहां नई फसल की खुशी में छेरछेरा पर्व में दान देने की परंपरा है। यह हमारे समाज की दानशीलता का उदाहरण है। हमारे शास्त्रों में भी अन्नदान को महादान की संज्ञा दी गई है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने बच्चों में कुपोषण दूर करने के लिए समाज की इसी परम्परा का सहारा ले रही है। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना में समुदाय की भागीदारी जोड़ते हुए न्योता भोजन की अनूठी पहल की गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने गृह ग्राम बगिया में आश्रम शाला के बच्चों को अपने जन्मदिवस पर न्योता भोजन कराते हुए इस योजना की शुरूआत की है।

छत्तीसगढ़ में स्कूली बच्चों को अब नियमित रूप से मिल रहे भोजन के अलावा समाज के अग्रणी और सक्षम लोगों के जरिए न्योता भोजन में पौष्टिक और रूचिकर खाद्य सामग्री मिलेगी। न्योता भोजन' तीन प्रकार के हो सकते हैं - पूर्ण भोजन (शाला की सभी कक्षाओं हेतु), आंशिक पूर्ण भोजन (शाला के किसी कक्षा विशेष हेतु),अतिरिक्त पूरक पोषण सामग्री।

दान-दाताओं द्वारा प्रदान किया जाने वाला खाद्य पदार्थ अथवा सामग्री उस क्षेत्र के खान-पान की आदत (फुड हैबिट) के अनुसार होनी चाहिए। पूर्ण भोजन की स्थिति में नियमित रूप से दिये जाने वाले भोजन के समान बच्चों को दाल, सब्जी और चावल सभी दिया जाना है। फल, दूध, मिठाई, बिस्किट्स, हलवा, चिक्की, अंकुरित खाद्य पदार्थ जैसे सामग्री, जो बच्चों को पसंद हो का चुनाव अतिरिक्त पूरक पोषण सामग्री के रूप में किया जा सकता है। पौष्टिक एवं स्वादिष्ट मौसमी फलों का चयन भी पूरक पोषण सामग्री के रूप में किया जा सकता है। न्योता भोजन का उद्देश्य समुदाय के बीच अपनेपन की भावना का विकास, भोजन के पोषक मूल्य में वृद्धि तथा सभी समुदाय वर्ग के बच्चों में समानता की भावना विकसित करना है। इस योजना में समाज के अग्रणी और सक्षम लोगों के अलावा कोई भी सामाजिक संगठन, स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को पूर्ण भोजन का योगदान कर सकते हैं अथवा अतिरिक्त पूरक पोषण के रूप में खाद्य सामग्री का योगदान कर सकते हैं। यह स्कूल में दिए जाने वाले भोजन का विकल्प नहीं होगा, बल्कि यह विद्यार्थियों को दिए जा रहे भोजन का पूरक होगा।

न्योता भोजन समुदाय के सक्षम लोग भी विवाह के वर्षगाठ, जन्मदिन, राष्ट्रीय पर्व आदि विशेष अवसरों पर भी स्कूली बच्चों को पौष्टिक भोज्य पदार्थ उपलब्ध करा सकेंगे। यह पूर्ण रूप से ऐच्छिक होगा। दानदाता स्कूली बच्चों को मौसमी फल, दूध, मिठाई, बिस्किट, हलवा, अंकुरित खाद्य पदार्थ आदि वितरित कर सकते हैं। न्यौता भोजन के लिए बच्चों की रूचि के अनुरूप दानदाता खाद्य पदार्थ का चयन कर सकते हैं।

न्योता भोजन' में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना से लाभांवित हो रहे बच्चों को अतिरिक्त खाद्य पदार्थ या पूर्ण भोजन के रूप में पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन प्रदाय किया जा सकेगा। इस योजना के संचालन के लिए शाला विकास समिति को जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह समिति समुदाय में ऐसे दान दाताओं की पहचान करेगी, जो रोटेशन में माह में कम से कम एक दिन शाला में न्योता भोजन' करा सके। दान दाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें शाला की प्रार्थना सभा अथवा वार्षिक दिवस में सम्मानित भी किया जाएगा।

-घनश्याम केशरवानी-

आमने-सामने का चुनाव मैदान सजा

देश में आमने सामने के चुनाव का मैदान सज गया है। कई दशक के बाद पहली बार यह होता दिख रहा है कि लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय स्तर पर दो गठबंधनों के बीच सीधा मुकाबला होगा और राज्यों में भी लोकसभा का चुनाव आमने सामने का होगा। जहां गठबंधन नहीं है वहां भी कोई त्रिकोणात्मक मुकाबला होता नहीं दिख रहा है। विपक्षी गठबंधन ने आमने सामने चुनाव की तैयारी वोट के गणित के आधार पर की है। पिछले चुनाव में भाजपा को 37 फीसदी वोट मिले थे और तमाम सहयोगियों को मिला कर उसका वोट 40 फीसदी पहुंचा था। इसका मतलब था कि 60 फीसदी मतदाताओं ने भाजपा के खिलाफ वोट डाला था। विपक्षी गठबंधन की कोशिश इस 60 फीसदी वोट का 70 फीसदी हासिल करना है। अगर ऐसा हो जाता है तो उसका वोट भाजपा से ज्यादा हो जाएगा। तभी दूसरी ओर भाजपा ने सबसे ज्याद वोट हासिल करके 272 का जादुई आंकड़ा पार करने की बजाय 50 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल करके 370 सीट जीतने का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए के लिए चार सौ सीटें हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। अब तक हुए लोकसभा के 17 चुनावों में चार सौ सीट तो एक बार कांग्रेस पार्टी को हासिल हो चुकी है लेकिन किसी पार्टी को 50 फीसदी वोट नहीं मिले हैं। जब राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने 1984 में 415 सीटें हासिल की थीं, तब भी कांग्रेस को 48 फीसदी ही वोट मिले थे। नरेंद्र मोदी को बतौर प्रधानमंत्री 2019 में 303 सीटें और 37 फीसदी वोट मिले थे। इस बार वे 50 फीसदी वोट हासिल करने का लक्ष्य लेकर लड़ रहे हैं तो दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन बिखरे हुए विपक्षी वोट को एकजुट करने और उसका बड़ा हिस्सा हासिल करने की तैयारी के साथ चुनाव लड़ रहा है। ध्यान रहे इससे पहले जब भी आमने सामने का चुनाव हुआ है तब सत्तारुढ़ दल की हार हुई है। पहली बार 1977 में और दूसरी बार 1989 में यह देखने को मिला था। तभी इस बार का लोकसभा चुनाव बहुत अहम होने वाला है। इसमें यह तय होगा कि विपक्ष एकजुट होकर भी नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा को हरा पाएगा नहीं और इतने ध्रुवीकरण के बाद कोई गठबंधन 50 फीसदी वोट हासिल कर पाता है या नहीं? कई जानकार मान रहे हैं कि इस बार विपक्ष का वैसा गठबंधन नहीं है, जैसा

1977 में था या जिस तरह का गठबंधन 1989 में था। लेकिन ऐसा नहीं है। इस बार भी विपक्षी पार्टियों ने आमने सामने की लड़ाई का गठबंधन बना लिया है और जहां गठबंधन बना हुआ नहीं दिख रहा है वहां उसे जान बूझकर छोड़ा गया है। यानी गठबंधन को उसी तरह से डिजाइन किया गया है। वहां भी मुकाबले आमने सामने का ही होगा। तीन राज्य अपवाद हैं, जहां त्रिकोणात्मक मुकाबले की संभावना फिलहाल दिख रही है।पंजाब में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच मुकाबला होगा, जिसमें तीसरा कोण अकाली दल और भाजपा की वजह से बनेगा। इसी तरह आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस बनाम टीडीपी गठबंधन का मुकाबला होगा, जिसमें तीसरा कोण बनने की कोशिश कांग्रेस कर रही है। तीसरा राज्य तेलंगाना है, जहां कांग्रेस और केसीआर की पार्टी का मुकाबला होगा, जिसमे भाजपा तीसरा कोण बनेगी। इसके अलावा तीन राज्य ऐसे हैं, जहां तीसरी पार्टी लड़ेगी लेकिन मुकाबला त्रिकोणात्मक नहीं होगा।केरल में लेफ्ट और कांग्रेस मोर्चे का आमने सामने का मुकाबला है। भाजपा अकेले लड़ेगी लेकिन वह लड़ाई को त्रिकोणात्मक नहीं बना पाएगी। इसी तरह पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा की लड़ाई होगी, जिसमें अगर कांग्रेस अलग भी रही तो वह और लेफ्ट मिल कर तीसरा कोण नहीं बन पाएंगे। केरल और पश्चिम बंगाल में मुकाबला आमने सामने का ही होगा। ओडिशा में मुकाबला बीजू जनता दल बनाम भाजपा है, जबकि कांग्रेस तीसरा कोण बनाने की कोशिश करेगी। कह सकते हैं कि देश की 543 लोकसभा सीटों में से साढ़े चार सौ से ज्यादा सीटों पर आमने सामने की लड़ाई होनी है।आमने सामने की लड़ाई यानी भाजपा के एक उम्मीदवार के मुकाबले विपक्ष का एक उम्मीदवार उतारने के सिद्धांत पर पिछले साल मई में चर्चा हुई थी और सहमति भी बनी थी। लेकिन बाद में ऐसा लगा कि विपक्ष की यह रणनीति कागजी बन कर रह जाएगी क्योंकि कांग्रेस हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में चुनाव हार गई और उसके बाद विपक्षी गठबंधन के मुख्य नेता नीतीश कुमार अलग होकर वापस एनडीए में चले गए। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि विपक्षी पार्टियां उस झटके से उबर गई हैं और एकजुट होकर लडने की तैयारी कर रही हैं।जिन दो राज्यों के नेताओं को लेकर सबसे ज्यादा आशंका जताई जा रही थी उन्होंने कांग्रेस के साथ तालमेल कर लिया। अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल को लेकर आशंका जताई जा रही थी। लेकिन अखिलेश ने कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में 17 सीटें दीं, जिसके बदले में कांग्रेस उनके लिए मध्य प्रदेश में एक सीट छोडने पर राजी हो गई। इसी तरह कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने दिल्ली, हरियाणा, गुजरात और गोवा में तालमेल कर लिया।कांग्रेस की जहां पुरानी सहयोगी पार्टियां हैं यानी जहां पुराना यूपीए मौजूद है वहां भी जल्दी ही तालमेल हो जाएगा। महाराष्ट्र में कांग्रेस, उद्धव ठाकरे और शरद पवार ने 48 में से 40 सीटों का फैसला कर लिया है। आठ सीटों पर मामला अटका है, जिसमें छह सीटें मुंबई की हैं। तमिलनाडु में डीएमके ने कांग्रेस को नौ सीटें देने का ऐलान कर दिया है लेकिन तीन या चार सीटों पर अदला बदली की चर्चा हो रही है।इसी तरह बिहार, झारखंड और जम्मू कश्मीर में भी पुरानी सहयोगी पार्टियों के साथ सीटों पर कमोबेश सहमति बन गई है। इस तरह देश के ज्यादातर राज्यों में एनडीए बनाम इंडिया' की लड़ाई का मैदान सज गया है। विपक्षी गठबंधन ने धीरे धीरे चुनाव का एजेंडा तय करना भी शुरू कर दिया है।

-अजीत द्विवेदी-

भारत में अत्यधिक गरीबी आती है,लेकिन अत्यधिक असमानता नहीं

हर किसी को सर्वेक्षण पसंद आता है, खासकर विरोधाभास से ग्रस्त देश में। उस सर्वेक्षण को लीजिए जो चर्चा में बना हुआ है और जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं तेजी से प्रभावशाली प्रचार सामग्री के रूप में उभर रहा है। 11 साल के अंतराल के बाद, राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) ने देश में घरेलू उपभोग व्यय पर डेटा जारी किया है। यह प्रारंभिक तथ्य पत्र है, अभी विस्तृत रिपोर्ट नहीं है। लेकिन तेजी से ध्रुवीकृत परिदृश्य में, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके विरोधी दोनों ही अपने-अपने राजनीतिक आख्यान बेचने के लिए इस पर कूद पड़े हैं। प्रस्ताव पर भारत की नाटकीय रूप से भिन्न छवियां हैं।अगस्त 2022 से जुलाई 2023 के दौरान आयोजित घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) से निकलने वाली ÷अच्छी खबर÷, और सरकारी प्रवक्ताओं द्वारा चिह्नित, गरीबी में नाटकीय कमी के बारे में है, 2022 में प्रति व्यक्ति मासिक घरेलू खर्च दोगुने से अधिक होने के बारे में है। 2011-12 की तुलना में 23, उन भारतीयों के बारे में जो बेहतर खा रहे हैं और जिनकी खर्च करने योग्य आय अधिक है। इनमें से कुछ दावों को पुष्ट करने के लिए डेटा मौजूद है - भारतीय वास्तव में अपने मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई) के प्रतिशत के रूप में भोजन पर कम और कपड़े, प्रसाधन सामग्री, टिकाऊ सामान आदि पर अधिक खर्च कर रहे हैं। वे सूखे फल पर अधिक खर्च कर रहे हैं। - 2011-2012 में एमपीसीई के 0.58 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 1.15 प्रतिशत हो गया।

ये सब भारत की कहानी का हिस्सा है. लेकिन यह पूरी कहानी नहीं है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूछा कि अगर देश में सब कुछ इतना ÷चमकदार÷ है, तो ग्रामीण भारत के सबसे गरीब पांच प्रतिशत - लगभग सात करोड़ लोग - प्रति दिन केवल 46 रुपये क्यों खर्च करते हैं। चुनाव की पूर्व संध्या पर जारी एक सर्वेक्षण एक राजनीतिक उपकरण बन जाता है, इसमें किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। लेकिन नागरिक का दृष्टिकोण भी है। एक बुनियादी सवाल सामने आता है- क्या भारत सभी नागरिकों के लिए बेहतर जीवन स्तर की दिशा में आगे बढ़ रहा है? यहाँ, चित्र मिश्रित है।

स्पष्ट रूप से, देश के विशाल हिस्से में अत्यधिक गरीबी कम हो रही है। लेकिन अत्यधिक असमानता नहीं है. अत्यधिक असमानता मायने रखती है क्योंकि यह देश को अपनी पूरी क्षमता का एहसास कराने के रास्ते में आती है।

-पत्रलेखा चटर्जी-

नारी

नारी.....,
तू ही दुर्गा की रूप है,
तू ही माँ काली है
फिर आज तू क्यों झुकती है,
अपनी इच्छाओं को यूँ क्यो मारती है,
तू ही जननी है,
तू ही पालनहार है,
फिर आज तू क्यों लाचार है,
तू ही शक्ति है,
तू ही लक्ष्मी है,
फिर किसी के सामन क्यों हारती है,
तू ही माता है,
तू ही बहन है,
इस दुनिया में सबसे महान तू ही है,
तू ही बेटी है,
तू ही बहु है,
दो कुल को संवारने वाली,
तू ही है,
तू ही नारी है.....।।

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर बिहार

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

परवरिश

मधु, सुना है तुम्हारी बेटी अंजू ने स्कूल में टॉप किया है,बहुत-बहुत बधाई है ! फोन पर मधु की पुरानी सहेली गीता बात कर रही हैं।

हां, बहुत-बहुत धन्यवाद गीता ! गीता ने आगे कहा, मैंने तो यह भी सुना है, तुम अंजू को आगे पढ़ने के लिए लंदन यूनिवर्सिटी भेज रही हो, क्या यह सच है! मधु, ! मधु, हां गीता !

गीता फिर बोल पड़ी,मधु, देखो स्कूल में टॉप किया है वह तो बहुत अच्छी बात है,यही किसी कॉलेज में दाखिला करवा दो अंजू का, लड़की है ! कहां तुम उसे सात समंदर पार भेज रही हो पढ़ने के लिए अकेली । कहीं

ऊंच-नीच हो गई तो क्या करोगी, बुरा मत मानना मधु ! मैं तो देखो,तुम्हें आगाह कर रही हूं ।

मधु बोली, गीता मुझे मेरी परवरिश पर पूरा भरोसा है, तुम अपने पुराने ख्याल छोड़ दो, आज के जमाने में बेटा और बेटी दोनों एक समान है । अंजू ने इतनी मेहनत से पढ़ाई की है,उसे लंदन यूनिवर्सिटी में स्कॉलरशिप मिला है । हमारा पूरा परिवार उसके साथ है । अंजू अपनी मर्यादाओं और हमारे घर के संस्कारों को अच्छी तरह जानती हैं । वह अब छोटी बच्ची नहीं है । हमारे संस्कार ही बच्चों के जीवन की नींव और सुनियोजित विकास में सहायक है, यह उन्हें सही और गलत में फर्क करना सिखाते हैं । तुम अपनी सोच बदल दो गीता । अपनी परवरिश पर यकीन रखो ।

-मोनिका डागा आनंद ,
चेन्नई ,तमिलनाडु

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

बस कैसे न कैसे करके ऊंगली करना है...काफिला

अब बात यों हुई कि हम तो सीधे चुपचाप बैठ , अपने हर ऐप पर घूम रहे थे ऐप कहें तो हर वेबसाइट जिस पर हमारी जिंदगी में आनंद,सुकून के कुछ पल मिलते हैं बिताने के लिये तो हम कहाँ थे अरे हाँ ! मार्निंग वॉक कर रहे ज़रा सुबह-सुबह सोशल मीडिया पर यही समझ लो ।

अब हुआ यूं कि हम चलते-चलते सभी की पोस्ट देख रहे थे तभी हर बार की तरह इस बार भी घुमा फिरा के फिर एक पोस्ट पर नज़र पड़ गई । देखा , पढ़ा , सुना उस पोस्ट के हर एक विवरण को ध्यान से फिर सोचा चलो भाई इसी पोस्ट पर दूसरों की तरह ज़रा अपने भी विचार हम लिख दें । जैसा की पहले के लेख मैं मैंने बताया था कि फर्श से अर्श तक जाने वालों से सीखो , जलने कुढ़ने से अपना ही खून जला खुद का ही नुकसान न करें । ठीक उसी तरह से मिलते जुलते भावों से भरा लेख है ये मेरा बस थोड़ा बहुत अंतर है । अब क्या करें मेरा मन ही ऐसा है कि कोई किसी को जबरदस्ती ऊंगली करे तो थोड़ी फोकट की राय मैं भी दे देती । अरे फोकट की राय सुनकर यदि इक्का-दुक्का समझ जाए तो इसमें कोई बुराई थोड़ी है बस समझाना हमारी कलम का कर्तव्य, समझना न समझना ऊंगली कर्ताओं का कर्तव्य । अरे भाई क्यों किसी को ऐसे नहीं तोड़ सके तो वैसे तोड़ने की कोशिश कर रहे ? बहते पानी के दरिया को कोई फर्क नहीं पड़ता बीच में पत्थर आने पर वो तो उस पत्थर के ऊपर या साईड से कहीं से भी रास्ता बना के आगे बढ़ता ही जाएगा । वो तो आगे बढ़ जाएगा पर ऊंगली कर्ता का क्या वो तो वहीं अपना सा मुंह लिए खड़ा ही रह जाएगा धरा का धरा अपना सा मुंह लिए ये सोचेगा खुद के मन में ही , की अरे मैं फलाने को इतना कुछ सुना रहा पर फलाने के कान पर तो जूं भी नही रेंग रही । तो चलिए बताती हूं की असल में मेरी नज़र किस गलियारे में और कस तरह के पोस्ट पर गयी थी । दरअसल मेरी नज़र गई एक काफिले के ऊपर बनाए गये वीडियो पर और उस वीडियो पर कसे गये कटू शब्दों से भरे व्यंग्य पर । सोचा चलो फिर इन कटू शब्दों में सौम्यता भर इसे ही स्याही बना अपनी कलम में भर कागज़ों में उतार दूं ध्यान देने योग्य बात पुनः कह रही कटू शब्दों में सौम्यता का रसपान भर स्याही बनाना ।

चलो तो उस वीडियो के अंतर्गत एक काफिला दिखाया गया,हो सकता है वो काफिला बहुत ही अमीर आदमी का हो जैसे अंबानी जी,टाटा जी,बिड़ला जी या हो सकता है किसी भी उच्च अधिकारी का हो या हमारे देश मतलब हमारे परिवार के वरिष्ठ उच्चाधिकारी का हो खैर क्या फर्क पड़ता है की काफिला किसका था । अब उस काफिले के अंतर्गत ये दिखाया गया की एक अधिकारी की कार के आगे पीछे अनेक कारें थी । अब ये बताइए की इसमें बुरा मानने वाली बात क्या है भला ? ये तो बहुत जरूरी है देश के किसी भी अमीर आदमी या उच्चाधिकारी की सुरक्षा ।

अरे ! आज-कल के वातावरण को देखो तो कितना घोर कलयुग है आंखें खुली हैं सब जानते भी हैं फिर भी ? यहाँ तो आए दिन लोग खबरों में सुनते , अखबारों में पढ़ते कि फलाने शहर , गली मौहल्ले मे खुलेआम किसी न किसी पर कहीं न कहीं हमला हुआ या मार दिया या अपहरण अन्य कितने अपराध हमारी आम जनता के साथ हो रहे । सोचने वाली बात यह है कि यहाँ तो आम जनता ही आम जनता का शिकार कर लेती है ।

पता ही नहीं चलता बहुत से अपराधों में तो की अपराधी कौन है । कौन कब कहाँ से घात लगाए बैठा कुछ कह नहीं सकते । अब ये तो हुई आम जनता की बात , कहने का मतलब यह है कि आम जनता ही जब दहशत में जी रही अपने आस-पास की जनता के बीच रहकर तो ज़रा तो सोचा होता कि ये तो उच्चाधिकारी या देश के सर्वश्रेष्ठ अमीर , अभिनेता वगैरह-वगैरह किसी का भी काफ़िला हो सकता है । इनके तो आम जनता से अधिक घात लगाने वाले शिकारी छुप छुपाकर बैठे होंगे तो कैसे इनकी सुरक्षा में भला कोई चूक करे । साधारण शब्दों में वीडियो बनाने वाले के भाव यह थे की इतनी सारी कारें आगे पीछे लेकर घर से निकलने वाला या जो भी हो वो बहुत पैसा उड़ा रहा । अब सोचो मेरे विचारों को पढ़ क्या अभी भी यही कहेंगे कि पैसों की बर्बादी हो रही या पेट्रोल की जो चीज़ जरूरी है वो तो जरूरी ही है ना । अब बहुत ज्यादा जरूरत से भरी उपयोगी चीज़ को भी व्यर्थ बताना मेरी नजरों में तो कहीं से भी सही नही ।

इंसान को कोई भी बात कहकर ऊंगली करने से अच्छा है की उस के कारणों को शांतिपूर्ण समझे और जब समझ में आ जाए तो मेरी तरह ऊंगली को ही सौम्यता भरी स्याही में तब्दील कर उकेर दो अपने विचारों को कागज़ों पर । अरे भाई भला ये कागज़ जैसी बेहतरीन चीज़ हम सभी के लिए तो बनी है जिस पर मन के भीतर उठे ज्वार-भाटा, प्रेम , दुःख दर्द , खुशी सभी को लिख अपने भाव या सब बाँट सकते हम इन कागज़ों के साथ । चलो अब मैं बहुत टहल ली अपनी कलम भावों संग भी कागज़ों के गलियारों में खो कर अरे अपने भावों संग । अब ज़रा कुछ काम ही कर लूं घर का ।

वीना आडवाणी तन्वी
नागपुर, महाराष्ट्र

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

सामंजस्य

जब आहत हृदय
शमशान बन जाए तो
उसमें लाशे नहीं
भावनाएं राख हुआ करती है।
जब विश्वासी हृदय में
बिखराव आ जाए तो
अपने और पराए नहीं
बस मौन रहा करता है।
जब वेदिती हृदय
राख बन जाए है
सुख और दुख नहीं
बस स्थिरता रहती है।
जब खंडित हृदय
अखंडित हो जाए तो
उसमें आह और वाह नहीं
बस जीवन की चाह रहती है।

डॉ.राजीव डोगरा
जनयानकड़
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

भीष्म का दर्द

सूतपुत्र की पीड़ा देखी,
द्रुपद सुता का अपमान।
शौर्य अभिमन्यु का देखा,
विदुर का स्वाभिमान।
दुर्योधन का लालच देखा,
एकलव्य का शिष्यत्व महान।
अर्जुन का कृष्ण प्रेम देखा,
भीम बड़ा बलवान।
सत्य वचन युधिष्ठिर देखा,
शकुनि बड़ा बेईमान।
धृतराष्ट्र का मोह देखा,
गांधारी का पतिव्रत धर्म महान ।
सबकी पीड़ा ,सबका कौशल,
ज्ञान ,गुण,स्वाभिमान महान।
भीष्म के दर्द का मगर,
क्या किसी ने रखा ध्यान।

गरिमा राकेश गर्विता
कोटा,राजस्थान

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

गंगोदक सवैया

काम नेकी करौ जिंदगानी मिले
जानलौ आज पाहू बने मान जी।
साथ ले के इहाँ ले न जाना खजाना
कमालौ बने काम ला ठान जी।।
का भरोसा इहाँ जिंदगानी रहै
स्वांस डोरी बँधाये हवै जान जी।
राम के नाम लौ पार बेड़ा करै गा
करौ पाठ पूजा बने ध्यान जी।।

राजकुमार निषाद राज
बिरोदा धमधा जिला-दुर्ग
छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

परीक्षा आई

परीक्षा आई परीक्षा आई।
तुम सब खूब करो पढ़ाई।।
मन मे न आने दो तुम तनाव।
इसे उत्सव जैसा तुम मनाव।।
अपने स्वास्थ्य का रखो ध्यान।
पांच मिनट कर लो प्राणायाम।।
समय में खाना और समय में सोना।
नींद को पूरी तरह से तुम्हे है लेना।।
समय सारणी बनाकर तुम्हे है पढ़ना।
परीक्षा से तुम्हे कभी नहीं है डरना।।
कुछ दिन टी वी मोबाइल से दूर रहना।
अपनी एकाग्रता को तुम बनाए रखना।।
लगातार एक ही विषय को नहीं है पढ़ना।
ब्रेक ले ले कर
सभी विषय तुम्हे है पढ़ना।।
सकारात्मक सोच से
मनोबल को बढ़ाना।
पूरी आत्मविश्वास
के साथ परीक्षा दिलाना।।

श्याम सुंदर साहू
राजिम जिला
गरियाबंद छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

अम्बिकापुर के व्यवसायी व सप्लायर के
मकान में ईडी का छापा,खंगाले जा रहे दस्तावेज

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 01 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की टीम ने शुक्रवार की सुबह एक साथ छत्तीसगढ़ में 12 जगहों पर छापा मारा। इनमें आईएएस, एसडीएम व सप्लायर से लेकर बड़े नाम शामिल है। ईडी की टीम अंबिकापुर निवासी व्यवसायी व सरकारी सामानों के सप्लायर अशोक अग्रवाल के कृष्णानगर कॉलोनी स्थित आवास पर भी छापा मारा। ईडी की इस कार्रवाई से व्यवसायी व उसके परिवार में हडक़ंप मचा है।

ईडी की टीम शुक्रवार की सुबह अंबिकापुर के कृष्णानगर कॉलोनी निवासी अशोक अग्रवाल उर्फ कोढ़ी के मकान में छापा मारा। व्यवसायी द्वारा सरकारी सामानों की बड़े स्तर पर सप्लाई की जाती है। गड़बड़ी की आशंका पर ईडी की टीम द्वारा छापामार कार्रवाई की जा रही है। टीम द्वारा व्यवसायी के ठिकाने से दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार अशोक अग्रवाल कांग्रेस शासन में दो पूर्व मंत्रियों का करीबी रह चुका है। ईडी की टीम ने सुबह ही व्यवसायी अशोक अग्रवाल के घर दबिश दी। व्यवसायी के घर के बाहर कड़ी सुरक्षा लगाई गई है। किसी को भी घर के भीतर जाने तथा परिवार के सदस्यों को बाहर जाने की मनाही है। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार के दौरान भी इनकी नजदीकियां भाजपा नेताओं से थी। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनने पर इनका झुकाव कांग्रेस की ओर भी देखा गया था। पूर्व खाद्य मंत्री अमरजीत भगत से भी इनके संबंधों की खबरें आती रहती थी। राजपुर में कुछ सार्वजनिक कार्यक्रमों में अशोक अग्रवाल ने भगत को बतौर अतिथि आमंत्रित भी किया था

इतना ही नहीं पूर्ववर्ती भाजपा शासनकाल में भी तत्कालीन मंत्रियों से उनके मधुर संबन्ध थे। कांग्रेस शासनकाल में डीएमएफ के अलावा विधायकों के सम्पर्क से भी इन्होंने सप्लाई तथा बोर खनन का कार्य किया था। विधानसभा चुनाव में भी सामरी विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों से इनके नजदीकियों और प्रचार अभियान में भी बराबरी का साथ देने की खबरें आई थी। सूत्रों के अनुसार वर्तमान में शासकीय स्तर पर बोर खनन का इनके पास लंबा काम है। यह कार्य कुछ विधायकों की अनुशंसा पर ही मिला है। ग्राम पंचायतों में बिजली व्यवस्था का लंबा काम भी इन्होंने किया था। सरगुजा के अलावा बस्तर संभाग में भी करोड़ों का काम किए जाने के कारण ये चर्चा में आए थे। विधानसभा चुनाव के समय मनी लांड्रिंग की शिकायतें भी थी। खबर है कि डीएमएफ और मनी लांड्रिंग के आधार पर अशोक अग्रवाल के यहां ईडी की टीम पहुंची हैं। सत्ता के साथ जुड़े रहने को लेकर भी व्यवसायी व ठेकेदार अशोक अग्रवाल हमेशा से सुर्खियों में रहे हैं।

शहर को 2 सेक्टर में विभाजित कर 10 स्थानों पर चलाया गया चेकिंग अभियान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा यातायात के नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बीते देर शाम 2 राजपत्रित पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में सम्पूर्ण शहर को 2 सेक्टरों में विभाजित कर कुल 10 स्थानों मे पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों की टीम तैनात की गई थी। पुलिस टीम चौपाटी, पंजाब गार्डन, साई मंदिर तिराहा, बंगाली चौक, गांधी चौक, बिलासपुर चौक, भारत माता चौक, सदभावना चौक, देव होटल तिराहा, बस स्टैंड चौक पर पुलिस टीम शाम 6.30 बजे तैनात की गई थी। जो देर रात तक सभी स्थानों पर एक साथ सघन चेकिंग अभियान चला। पुलिस टीम द्वारा अभियान के दौरान तीन सवारी वाहन चालकों, मॉडिफाइड साइलेंसर वाले वाहन एवं मोबाइल फोन पर बात कर वाहन चलाने वालों पर सख्त से कार्रवाई की गई। इस दौरान 213 प्रकरण दर्ज कर 1 लाख 33 सौ रुपये समन शुल्क वसूले गए। पुलिस टीम द्वारा सघन चेकिंग अभियान पश्चात शहर के प्रमुख एवं संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल मार्च कर असामाजिक तत्वों को सख्त चेतावनी दी गई। असामाजिक तत्वों को अनैतिक गतिविधियों मे शामिल होना पाये जाने पर सख्ती के साथ वैधानिक कार्रवाई किए जाने हिदायत दी गई है। कार्रवाई के दौरान 100 से अधिक पुलिस अधिकारी, कर्मचारी शामिल रहे।

शराबी पिता ने पहले खुद पिया जहर फिर बेटो को भी पिलाया,मासूम की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 01 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के पीपरसोत में 28 फरवारी की शाम को शराबी युवक ने पत्नी से विवाद करने के बाद 3 वर्षीय मासूम बेटे को जहर पीला दिया। इसके बाद खुद भी पी लिया। दोनों को इलाज के लिए बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां दोनों की स्थिति को गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने दोनों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया था। यहां इलाज के दौरान 29 फरवारी की शाम को मासूम बेटे की मौत हो गई। घटना के बाद मां का रो-रोकर बुरा हाल है।

जानकारी के अनुसार सोहन राम चेरवा बलरामपुर जिले के ग्राम पीपरसोत का रहने वाला है। वह शराब पीने का आदि है। वह अक्सर शराब सेवन कर घर आकर पत्नी से विवाद करता था। 28 फरवारी की शाम को वह सोहन राम चेरवा शराब सेवार कर घर आया और किसी बात को लेकर पत्नी सोहरी के साथ विवाद करने लगा। इस दौरान वह मारने के लिए डंडा उठाया तो पत्नी डेढ़ वर्षीय बेटी को गोद में लेकर भाग गई और पड़ोस के यहां चली गई। इस दौरान उसका तीन वर्षीय बेटा घर में ही छुट गया। इधर शराब के नशे में पति ने घर में रखे कीटनाशक सेवन कर लिया। इसके बाद अपने तीन वर्षीय मासूम बेटा सुशील उर्फ अंशु को भी पिला दिया। इधर पति द्वारा मारपीट किए जाने की डर से महिला अपनी बेटी को गोद में लेकर पड़ोसी के घर में छुपी थी। उसे कुछ देर बाद पता चला की पति जहर सेवन कर लिया है और बेटे को भी पिला दिया है। इसके बाद वह दौडक़र घर पहुंची और पड़ोसियों की मदद से दोनों को इलाज के लिए बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराई। यहां चिकित्सकों ने दोनों की स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान 29 फरवारी की शाम को मासूम बेटे की मौत हो गई। वहीं पति का इलाज चल रहा है।

कृषि कार्य के लिए आर्थिक सहायता राशि देने के नाम पर करोड़ों की ठगी का मुख्य आरोपी महिला गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

कृषि कार्य व पशुपालन के लिए आर्थिक सहायत राशि उपलब्ध कराने के नाम पर कई लोगों से लाखों रुपए के ठगी करने वाली मुख्य आरोपी फरार चल रही थी। जिसे गांधीनगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं इस मामले में इसके तीन सहयोगियों को पुलिस ने पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिय है।

पुलिस के अनुसार लता खुंटे गांधीनगर थाना क्षेत्र के गंगापुर निवासी है। वह सरगुजा मार्ट प्रायवेट लिमिटेड कंपनी की संचालिका है। वह कंपनी के अंदर एजेंट के माध्यम से कृषि कार्य व पशुपालन के लिए आर्थिक सहायत राशि उपलब्ध कराने के नाम पर लोगों से अपने कंपनी में करोड़ों रुपए पैसा जमा करावाई थी। वह कंपनी के माध्यमय से 80 प्रतिशत मुनाफा हितग्राहियों को देने का झांसा देकर 94 लाख से अधिक रुपए ठगी की थी। ठगी के शिकार हितग्राहियों ने एजेंट व कंपनी के संचालिका के खिलाफ गांधीनगर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में पूर्व में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं मुख्य आरोपी लता खुटे काफी दिनों से फरार चल रही थी। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। पुलिस द्वारा आरोपी का अकाउंट डिटेल तथा आरओसी प्राप्त किया गया। जांच में पता चला कि सरगुजा मार्ट प्रालि कम्पनी लता खुटे के अतिरिक्त राजाराम जगत तथा जीशु तिर्की के सयुक्त नाम पर होना पाया गया। कंपनी के रजिस्ट्रेशन के सम्बन्ध में रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज बिलासपुर छत्तीसगढ़ से जानकारी प्राप्त की गयी जिसमें सरगुजा मार्ट कंपनी के डायरेक्टर के रूप में राजाराम जगत, जिसू तिर्की, लता खुटे, एवं लक्ष्मी प्रसाद का नाम होना पाया गया है। पूर्व में प्रकरण के आरोपी जिसू तिर्की उम्र 32 वर्ष साकिन बोदा पोस्ट बिलासपुर चतीली, राजराम जगत उम्र 45 वर्ष साकिन गोगी जजावल थाना चंदीरा जिला सूरजपुर, लक्ष्मी प्रसाद उम्र 26 वर्ष निवासी दुप्पो चाना राजपुर जिला बलरामपुर को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है।

जमीन बिक्री के नाम पर भी की थी ठगी

आरोपी लता खुंटे ने 19 डिसमील जमीन बेचने के नाम पर भी एक महिला से 21 लाख रुपए ठगी कर चुकी है। प्रार्थिया चंद्रकांती भगत निवासी गांधीनगर ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि लता खुटे 19 डिसमील जमीन बेचने की बात करते हुए 5 लाख रुपये अग्रिम राशि लेकर नोटरी के समक्ष अनुबंध किया था। तत्ता खुटे द्वारा जमीन की चौहद्दी एवं अनुमति लेने की बात बोलकर पुन- अलग-अलग किस्तों में 16 लाख रुपये और ले ली। इसके बाद जमीन रजिस्ट्री करने के लिए टाल मटोल करने लगी। प्रार्थिया ने जब जमीन के बारे में पता कराई तो मालूम हुआ कि उक्त जमीन किसी और के नाम रजिस्ट्री होना पाया गया। लता खुटे ने जमीन बिक्री के नाम पर चंद्रकांती भगत से 21 लाख रुपए ठगी कर चुकी है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी लता खुटे के खिलाफ धारा 420, 467,468 के तहत कार्रवाई की है।

जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति को काबू करने के लिए क्विक रिस्पॉन्स टीम गठित

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 01 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

जिले में शांति,सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित पुलिस दल क्विक रिस्पॉन्स टीम का गठन किया गया है। जिले में कभी भी कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होने पर पुलिस की यह टीम शांति, सुरक्षा स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगी। गठित टीम रक्षित केंद्र अंबिकापुर में तैयार की गई है। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल द्वारा क्विक रिस्पॉन्स टीम को औचक कानून व्यवस्था की स्थिति से निपटने एवं शांति सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने हेतु विभिन्न दिशा निर्देश दिए गए। गठित क्विक रिस्पॉन्स टीम को कार्यस्थल पर उनके कर्तव्यों को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई। टीम को बलवा ड्रिल का प्रायोगिक अभ्यास भी कराया गया है। विपरीत परिस्थिति निर्मित होने पर स्थिति को नियंत्रण में करने विशेष पुलिस दल को प्रशिक्षित किया गया है। यूनिट में पुलिस अधिकारी, कर्मचारियों के साथ उपलब्ध संसाधनों को भी समाहित किया गया है।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 01 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर-बिलासपुर मुख्य मार्ग पर स्थित लोधिमा के पास गुरुवार की रात को पिकअप ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार विशेष सोनी पिता ज्ञानचंद सोनी उम्र 25 वर्ष मणिपुर थाना क्षेत्र के ग्राम भिट्ठीकला का रहने वाला था। वह गुरुवार की रात करीब 10 बजे रिंग रोड स्थित नमनाकला अपना दुकान बंद कर बाइक से घर जा रहा था। तभी रास्ते में अंबिकापुर-बिलासपुर मुख्य मार्ग पर स्थित लोधिमा के पास पिकअप क्रमांक सीजी 30 डी 9181 ने टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मां पानी लेकर घर लौटी तो आग से जल रही थी मासूम बेटी,इलाज के दौरान मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 01 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

मां पानी लेकर घर लौटी तो 3 वर्षीय बेटी आग से जल रही थी। इसे देख उसके होश उड़ गए। वह किसी तरह आग बुझाई और उसे इलाज के लिए बलंगी अस्पताल ले गई। यहां चिकित्सकों ने मासूम की स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सुमन पिता संजय पाल उम्र 3 वर्ष ग्राम जोगयानी थाना रघुनाथनगर की रहने वाली थी। इसकी मां पूनम गुरुवार की शाम को खाना बनने के लिए चुल्हा जलाई थी। इसके बाद बेटी सुमन को घर के बाहर खेलने के लिए बोलकर पानी लेने चली गई। पानी लेकर वापस लौटी तो बेटी घर के अंदर आग से जल रही थी। वह किसी तरह आग बुझाई और पड़ोसियों की मदद से उसे इलाज के लिए बलंगी अस्पताल ले गई। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए वाड्रफनगर अस्पताल रेफर कर दिया। यहां से भी उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। यहां इलाज के दौरान मासूम बच्ची की मौत हो गई।

पुलिस अधीक्षक सरगुजा ने जनरल परेड की सलामी लेकर बेहतर टर्नआऊट वाले अधिकारियों कर्मचारियों को ईनाम देकर किया प्रोत्साहित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

रक्षित केंद्र अम्बिकापुर में गुरुवार को आयोजित जनरल परेड की सलामी पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा ली गई, परेड के निरीक्षण दौरान पुलिस अधिकारियो कर्मचारियों के टर्न आउट का निरीक्षण कर बेहतर वेशभूषा धारण करने वाले पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों को ईनाम देकर प्रोत्साहित किया गया। पुलिस डॉग के खानपान पर विशेष ध्यान देने एवं नियमित अभ्यास कराने के निर्देश डॉग हैंडलर को दिए गए, साथ ही पुलिस डॉग हैंडलर से परेड एवं अन्य अभ्यास कराकर देखा गया, परेड के मधुर धुन के लिए सुसज्जित पुलिस बैंड के सम्बन्ध मे तैनात अधिकारियो कर्मचारियों से आवश्यक संसाधन की जानकारी ली गई, रक्षित निरीक्षक कों बैंड हेतु अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। जनरल परेड मे अधिकारियों, कर्मचारियों कों टोली वार कूच कराकर ड्रिल कराया गया, पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा शासकीय वाहनों का निरीक्षण करते हुए वाहनों की बारीकी से जांच की गई, वाहनो के खामियों को तत्काल दुरूस्त कराने एवं वाहनों के रखरखाव पर विशेष ध्यान देने के दिशा निर्देश दिए गए, वाहनों के ड्राइवर डायरी अधतान रखने हेतु सख्त समझाईस दी गई, ड्रिल के पश्चात पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा जनरल परेड की सलामी ली गई। जनरल परेड के दौरान नगर पुलिस अधीक्षक रोहित शाह, प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक शुभम तिवारी सहित समस्त थाना, चौकी एवं कार्यालय से कुल 132 पुलिस अधिकारी कर्मचारी उपस्थिति रहे।

अभाविप ने दी परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 01 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

प्रदेश में छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा वर्ष 2024 12वीं बोर्ड परीक्षा एक मार्च से शुरू हुई,परीक्षा को लेकर अभाविप सरगुजा नगर के कार्यकर्ताओं द्वारा छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की 12 वीं बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित हो रहे, छात्र -छात्राओं को परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पे तिलक लगा कर शुभकामनाएं दी गई व परीक्षार्थियों को निर्भीक और निडर होकर परीक्षा लिखने कहां गया व उनका आत्मबल बढिया गया द्य जिसमें प्रमुख रूप से सत्येन्द्र मिश्रा, अविनाश मंडल ,आस्तिक सिंह ,लकी, कैफ व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शॉपिंग मॉल में नहीं थे कोई भी सुरक्षा उपकरण,

आगजनी की घटना पर बोले फायर ब्रिगेड के अधिकारी

ढाका,01 मार्च 2024। देर रात बांग्लादेश में सात मंजिला शॉपिंग मॉल में आग लग गई थी। इस भीषण आगजनी में कम से कम 45 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने मामले की जांच करते हुए कहा कि सात मंजिला शॉपिंग मॉल में आग से बचने के लिए सुरक्षा उपाय नहीं थे। उन्होंने कहा कि मालिकों को पहले ही तीन नोटिस दिए जा चुके थे लेकिन उनकी तरफ से कोई खास कदम नहीं उठाए गए थे। ये हादसा उनकी गलतियों के कारण सामने आया है।

हादसे में 45 लोगों ने गंवाई जान, 22 घायल

नई आधिकारिक अपडेट के मुताबिक, देर रात शॉपिंग मॉल में आग लगी, जिसमें 45 लोगों की मौत हो गई, 22 अन्य घायल हो गए। अग्निशमन सेवा और नागरिक सुरक्षा महानिदेशक ब्रिगेडियर जनरल एमडी मेन उद्दीन ने शुक्रवार को कहा कि बेली रोड पर इमारत में अग्नि सुरक्षा के कोई उपाय नहीं थे। जांच में पता चला कि वहां सुरक्षा के उपकरण तक मौजूद नहीं थे, बल्कि पूरी इमारत में केवल छोटी-छोटी सीढ़ियां थी।

कई कमरों में खिड़कियां ही नहीं थीःमेनउद्दीन

हादसे से जुड़ी घटना को बताते हुए अधिकारी ने कहा कि आग लगने के दौरान लोगों ने जिन कमरों में अपनी जान बचाने के लिए शरण ली थी, उनमें से कई कमरों में खिड़कियां ही नहीं थी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. सामंत लाल सेन के मुताबिक, हादसे में अधिकांश मौतें कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता के कारण हुई, जो बंद जगहों में अत्यधिक धुएं के कारण होती थीं।

मृतकों के अंतिम संस्कार के लिए खर्च देंगे- रहमान

राहत और आपदा प्रबंधन राज्य मंत्री मोहम्मद मोहिब्बुर रहमान के मुताबिक, सरकार प्रत्येक पीड़ित के परिवार को उनके अंतिम संस्कार के खर्च को कवर करने के लिए 25,000 बांग्लादेशी टका (लगभग 225 अमेरिकी डॉलर) देगी। उन्होंने शेख हसीना नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी में पत्रकारों से बातचीत के दौरान घायलों को हरसंभव मेडिकल देखभाल सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री शेख हसीना के निर्देश पर जोर दिया।

इमरान की पार्टी पीटीआई के नए अध्यक्ष बने बैरिस्टर गौहर खान,तीन मार्च को एक बार फिर से होगा मतदान

कराची,01 मार्च 2024। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने दूसरी बार अध्यक्ष पद के लिए बैरिस्टर गौहर खान के चुनाव की घोषणा की है। पाकिस्तान चुनाव आयोग द्वारा उनकी अंतर पार्टी चुनाव को रद्द करने के बाद तीन मार्च को एकबार फिर संगठनात्मक मतदान किया जाएगा।

45 वर्षीय बैरिस्टर गौहर खान को गुरुवार को निर्विरोध पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का अध्यक्ष बनाया गया था। वह अब एक ऐसे नेता बन गए हैं जिन्हें दो बार इस पद के लिए नियुक्त किया गया है। पीटीआई के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार उमर आयूब खान को भी निर्विरोध पार्टी के महासचिव के तौर पर नियुक्त किया गया है।

पंजाब, खैबर पख्तूनख्वां और सिंध में पार्टी के अध्यक्ष के तौर पर डॉ. यास्मीन रशीद, अली अमीन गंडापुर, और हलीम आदिल शेख को नियुक्त किया गया है। अंतर पार्टी चुनाव के लिए कई उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दर्ज किया था, लेकिन उनमें से कई ने संगठनात्मक चुनाव के दो दिन पहले ही अपना नाम वापस ले लिया। पीटीआई के संघीय चुनाव आयुक्त रऊफ हसन ने बताया कि अधिकतर सीटों पर विपक्ष की अनुपस्थिति में उनके पास निर्विरोध विजेताओं की घोषणा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। इससे पहले बैरिस्टर अली जाफर को पार्टी के अगले अध्यक्ष पद के उम्मीदवार के तौर पर घोषित किया गया था, लेकिन उन्होंने इस पद को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। इसके बाद पार्टी ने गौहर खान को इस पद के लिए नामित किया।

जिले के सभी 71 परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्वक ढंग से हुई परीक्षा

» उड़नदस्ता दल द्वारा केन्द्रों में किया गया औचक निरीक्षण

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 01 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा संचालित हायर सेकेंडरी की परीक्षा शुक्रवार से शुरू हो चुकी है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया है कि हायर सेकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा 2024 जिले के 71 परीक्षा केंद्रों में आयोजित हुई, शुक्रवार को हिन्दी विषय की परीक्षा सम्पन्न हुई। कलेक्टर श्री विलास भोस्कर द्वारा परीक्षा में नकल एवं अनैतिक कार्यों आदि साधनों के उपयोग में अंकुश लगाने परीक्षा केन्द्रों के निरीक्षण हेतु उड़नदस्ता दल गठित किया गया है।गठित उडनदस्ता टीम द्वारा शा.उ.मा.वि. कतकालो, बालक करजी, कन्या करजी, बालक दरिमा, खैरबार, सरगंवा, डि.हिलाक्स, सेजेस लखनपुर, कन्या लखनपुर, केदमा, डांडगांव, आदर्श जीवनदीप जजगा, गेरसा, भूसू, बालक सीतापुर, कन्या सीतापुर, क्रिश्चियन सूर्यापारा, कन्या बतौली, बा0लुण्ड्रा में निरीक्षण किया गया। वहीं जिला शिक्षा अधिकारी अम्बिकापुर द्वारा गठित उड़नदस्ता टीम द्वारा शा. बहु.उ.मा.वि. अम्बिकापुर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी केन्द्रों में परीक्षा शांतिपूर्वक संचालित होना पाया ।

3 मार्च को जिलेभर में बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 03 मार्च को पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।जिसमें जिलेभर के 0 से 05 वर्ष तक के बच्चों को पालियो की खुराक पिलाई जायेगी। उन्होंने बताया कि जिले में लक्षित कुल 1,38,077 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जानी है जिसमें ग्रामीण क्षेत्र में विकासखण्ड बतौली के 11671, भफौली के 24475, धौरपुर के 18733, सीतापुर के 15755, मैनपाट के 13074, लखनपुर के 18434, उदयपुर के 13044 एवं शहरी क्षेत्र के 22891 बच्चे शामिल है। जिले में कुल 899 बूथ बनाए गए हैं, जिसमें 1104 दलों के द्वारा प्रत्येक शासकीय चिकित्सालय, शासकीय विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोलियो की दो बूंद दवा पिलाई जायेगी। इसके उपरांत छूटे हुये बच्चों को दिनांक 04 एवं 05 मार्च 2024 को निर्धारित दल द्वारा घर-घर जाकर पोलियो की दवा पिलाई जायेगी।

कलेक्टर श्री विलास भोस्कर ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने सभी 0 से 05 वर्ष तक के बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ में पोलियो की दो बूंद दवा पिलाकर पोलियो बिमारी से अपने बच्चों को सुरक्षित रखें।

पंडित रविशंकर त्रिपाठी शासकीय महाविद्यालय भैयाथान में आयोजित किया गया रक्तदान शिविर

- संवाददाता -
सूरजपुर, 01 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

महाविद्यालय में विज्ञान संकाय और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में चिकित्सा डॉक्टर राजेंद्र कुमार और उनकी टीम द्वारा संचालित किया गया। उक्त शिविर में स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारियों में श्रीमती शिवकुमारी स्टाफ नर्स, सुश्री दीप्ति प्रियंका, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भैयाथान व धर्मराज जायसवाल (काउंसलर) तथा अमरदास एवं देवकुमार उपस्थित थे। महाविद्यालय के प्राचार्य रंजीत कुमार सातपुते, प्रशासनिक अधिकारी राम कुमार, सहायक प्राध्यापक दिलीप कुमार लकड़ा, प्रयोगशाला तकनीशियन घनश्याम सिंह शांडिल राम प्रसाद नापित व छात्र-छात्राओं सहित कुल 16 लोगों ने रक्तदान किया। शिविर के आयोजन में मुख्य भूमिका एनएसएस प्रभारी चोलसाय चेरवा, हुलेस मांझी, विज्ञान संकाय के सहायक प्राध्यापक डॉ. रविशंकर चौहान व प्रयोगशाला तकनीशियन केपी गोस्वामी की रही। चिकित्सा अधिकारी राजेंद्र कुमार ने रक्तदान करने वाले सभी लोगों को ग्लूकोज पिलवाया व स्वल्पाहार कराया गया। साथ ही अन्य 35 छात्राओं ने अपने हीमोग्लोबिन व रक्त समूह की जांच कराई।

कलेक्टर ने किया बालिकागृह का निरीक्षण

» सुरक्षा की हो कड़ी व्यवस्था,रैंडमली की सीसीटीवी फुटेज की जांच

» बालिकागृह में सुविधाओं पर बालिकाओं से लिया सीधा फीडबैक

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 01 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर विलास भोस्कर ने शुक्रवार को मानव संसाधन विकास परिषद द्वारा दर्रीपारा में संचालित बालिका बालगृह का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने यहां सबसे पहले सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया, उन्होंने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर रैंडम दिनों की फुटेज का अवलोकन कर कहा कि सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था हो। निरीक्षण के लिए आने वाले अधिकारियों या अन्य के साथ अनिवार्य रूप से महिला अधिकारी या कर्मचारी शामिल हो, परिजनों के आने का समय निर्धारित हो। कलेक्टर ने बालगृह में कार्यरत कर्मचारियों की जानकारी लेते हुए कहा कि इस बात का ध्यान रखें कि स्टाफ के परिजन बालगृह में ना रुकें। इस दौरान बताया गया कि बालगृह में वर्तमान में 6 से 18 वर्ष तक की 43 बच्चियां हैं। बच्चियों की दिनचर्या का समय निर्धारित है। कलेक्टर श्री भोस्कर ने बालगृह में निवासरत बालिकाओं से भी बातचीत कर उपलब्ध सुविधाओं के सम्बन्ध में फीडबैक लिया। इस दौरान उन्होंने शयनकक्ष, भोजनकक्ष, मनोरंजन कक्ष, स्टाफरूम, भण्डारकक्ष आदि का अवलोकन किया। उन्होंने यहां मीनू के अनुसार गुणवत्तायुक्त पौष्टिक भोजन बच्चों को प्रदान करने निर्देशित किया। उन्होंने बच्चों को उपलब्ध होने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली और कहा कि नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच करवाएं, किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल अस्पताल लेकर जाएं। इसके साथ ही कलेक्टर ने पंजियों की भी जांच की तथा कहा कि आने-जाने वालों की जानकारी रखें, परिसर एवं शौचालय की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें।

बीएड कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने निकाला मतदाता जागरूकता रैली

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 01 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सरगुजा विलास भोसकर के मार्गदर्शन में स्वीप सरगुजा की टीम के द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के तहत सेंट जेवियर्स बीएड कॉलेज अंबिकापुर के छात्र शिक्षकों द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। शहरी मतदाताओं को आगामी लोकसभा निर्वाचन में शत प्रतिशत मतदान करने के उद्देश्य के साथ जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक के साथ फ्लैश मोब का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य डॉ सुशील, सहायक प्राध्यापक सिस्टर ललिता, नोडल प्राध्यापक श्रीमती प्रीति त्रिपाठी, जिले के स्वीप टीम के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। उपस्थित जन समुदाय एवं छात्र शिक्षकों को स्वीप के सहायक नोडल अधिकारी गिरीश गुप्ता ने शपथ दिलाई। उक्त कार्यक्रम में रजनीश मिश्रा, प्रीति तिवारी, सतनारायण भगत, अशोक सिंह, इंदु, मनोज कुमार शिव का सक्रिय सहयोग रहा।

पल्स पोलियो अभियान प्रचार के लिए वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर किया गया रवाना

- संवाददाता -
सूरजपुर, 01 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

जिले में राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान 2024 का आयोजन जिले में 03 मार्च 2024 को किया जा रहा है। जिसमें 03 मार्च 2024 को बूथ पर तथा 04 एवं 05 मार्च 2024 घर-घर जाकर शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जायेगी। जिले में पल्स पोलियो अभियान हेतु लगभग 104660 (एक लाख चार हजार छः सौ साठ) 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक दी जायेगी जिसके लिए 728 पोलियो बूथ पर 900 टीम तथा 2336 कर्मचारी निर्धारित स्थान पोलियो बूथ, रेलवे स्टेशन, हाट बाजार, बस स्टैण्ड आदि स्थानों पर बच्चों को दो बूंद जिंदगी की पिलायगे। जिले से उक्त अभियान के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु कलेक्टर के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन, जिला टीकाकरण अधिकारी तथा अन्य अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा प्रचार वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर विकास खण्डों के ग्रामों हेतु रवाना किया गया।

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत चट्टीडांड़ स्कूल में हुआ न्योता भोजन का आयोजन

» शाला प्रबंध समिति के सदस्य ने अपनी बेटी के जन्मदिन के अवसर पर बच्चों को कराया न्योता भोजन

- संवाददाता -
सूरजपुर,01 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत् शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड़ में सहायक शिक्षक संतोष कुमार चन्देल ने प्रधान पाठक गौतम शर्मा के मार्गदर्शन में गुरूवार को अपने जन्मदिन के अवसर पर विद्यालय में अध्ययनरत सभी बच्चों के लिए न्योता भोजन का आयोजन किया, इस आयोजन में उन्होंने सभी बच्चों को पूर्ण भोजन में चावल, दाल, सब्जी, पापड़, सलाद, मीठा और नमकीन उपलब्ध कराया । न्योता भोजन के उद्देश्य अनुरूप प्रधान पाठक गौतम शर्मा के द्वारा इस आयोजन में शाला प्रबंध समिति,पालक शिक्षक समिति के सदस्यों और आसपास के स्कूलों के शिक्षकों को सामुदायिक सहभागिता और समुदाय के बीच अपनेपन की भावना के विकास, भोजन के पोषक मूल्य में वृद्धि तथा सभी समुदाय वर्ग के बच्चों में समानता की भावना विकसित करने हेतु उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए आमंत्रित किया। सभी अतिथियों ने बच्चों के साथ बैठकर न्योता भोज किया। इस आयोजन से प्रभावित होकर शाला प्रबंध समिति के सदस्य बालभद्र नायक और उनकी पत्नी श्रीमती अंतरा नायक ने शुक्रवार को अपनी तीन वर्षीय बेटी कुमारी पीहू नायक के जन्मदिन के अवसर पर न्योता भोजन का आयोजन करते हुए बच्चों के साथ केक काटा और सभी बच्चों को पूड़ी और सब्जी परोसा, जिसका सभी बच्चों ने लुफ्त उठाया। अभिभावकों ने इस योजना को सामुदायिक भागीदारी को बढ़ाने और बच्चों के भोजन में पोषक तत्वों की मात्रा में वद्धि करने की यह व्यवस्था को सराहनीय बताया। इस अवसर पर सूरजपुर के विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक मनोज कुमार मण्डल,बीआरपी सुदर्शन राजवाड़े,संकुल समन्वयक सहदेव राम रवि, सुशील ठाकुर, प्रधान पाठक हर्ष नारायण शर्मा, कुमारी विनिता सिंह,जितेन्द्र जायसवाल,अनुज राजवाड़े, शिक्षक श्रीमती जयंती भगत, श्रीमती रीता देवी,श्रीमती सीमा सोनी, कुमारी गरिमा श्रीवास,लौकेश कुमार साहू उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में रसोईया श्रीमती सीमावती, श्रीमती फलांगो, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती रेखा देवी और श्रीमती सोनामनी का सक्रिय योगदान रहा।

फरवरी माह में सेवानिवृत्त कुल 38 शासकीय सेवकों को जारी किए गए पीपीओ एवं जीपीओ

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 01 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

कोष, लेखा एवं पेंशन विभाग के सम्भागीय संयुक्त संचालक ने बताया कि लंबित पेंशन प्रकरण के सम्बन्ध में संचालक कोष, लेखा एवं पेंशन रायपुर छ.ग. द्वारा त्वरित प्रकरणों के निराकरण हेतु निर्देश दिए गए हैं जिसके अनुसार माह में सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों को उसी माह के अंत तक पेंशन प्राधिकार पत्र (पीपीओ) एवं मृत्यु सह सेवा निवृत्ति उपदान प्राधिकार पत्र (जीपीओ) जारी किया जाना है। इसी कड़ी में सरगुजा संभाग अंतर्गत कार्यालय द्वारा माह फरवरी 2024 में सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के कुल 38 पेंशन प्रकरणों का निराकरण उपरांत पीपीओ एवं जीपीओ जारी किया गया है।

विष्णु सरकार के स्वास्थ्य मंत्री ने क्या कांग्रेसी युवा को सौंप दी शासकीय आवास की जिम्मेदारी?

जिस युवक के सोशल मीडिया पोस्ट में दिखती है संघ और भाजपा के खिलाफ विचारधारा उसी युवक को क्यों सर पर बैठा रखे हैं स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी?

» रायपुर स्थित शासकीय आवास में हर वक्त मौजूद रहता है वह युवक,कोरिया के पूर्व सीएमएचओ का है रिश्तेदार...

» प्रदेश के कई जिलों में उक्त युवक कर रहा मेडिकल स्टाफ से संपर्क,काम कराने की दे रहा गारंटी...

- रवि सिंह -
कोरिया/ एमसीबी/ रायपुर 01 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

प्रदेश में पिछली भूपेश सरकार के कार्यकाल में जनता त्रस्त थी,मंत्री हवा में उड़ रहे थे कार्यकर्ता किसी को पहचान नही रहे थे,भय और आतंक का माहौल बना कर रखा गया था, लोगो को जितना हो सकता था उतना प्रताड़ित किया जा रहा था,शासकीय कर्मचारियों को भी परेशान किया जा रहा था,यहा कहा जा सकता है कि कांग्रेसी सत्ता के नशे में चूर थे जिनसे छूटकारा पाते हुए प्रदेश की जनता ने भाजपा को सत्ता की चाभी सौंपी है। लेकिन इन सबसे दूर प्रदेश की विष्णु सरकार के स्वास्थ्य मंत्री इन दिनों अपना कांग्रेसी प्रेम दिखला रहे है उनके द्वारा कट्टर कांग्रेसी और संघ,भाजपा और प्रधानमंत्री के विरोधी युवा को ही अपना खासमखास बनाकर राजधानी रायपुर स्थित शासकीय आवास की जिम्मेदारी दे दी गई है,कांग्रेसी युवा मंत्री के बंगले में सक्रिय है और अपना उल्लू सीधा कर रहा है,मंत्री के पीठ पीछे भी कई कार्यो का अंजाम दिया जा रहा है लेकिन मंत्री हैं कि उनके द्वारा इसकी सुध नही ली जा रही है,युवा खुद को मंत्री का खास बतलाकर प्रदेश के कई जिलों में मेडिकल स्टाफ से भी संपर्क कर काम कराने का दावा कर लोगो को अपने जाल में फसाने की कोशिश कर रहा है जिससे कि मंत्री समेत सरकार की छवि भी गिर रही है,मंत्री को इस बारे में तत्काल संज्ञान लेने की जरूरत है। हलांकि कांग्रेसी युवक को इतना सक्रिय करने के पीछे मंत्री के एक निज सहायक की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है। उक्त युवक अपने दलाल प्रवित्ति के कारण कोरिया जिला समेत प्रदेश भर में चर्चित है और अब स्वास्थ्य मंत्री के यहां उसका सक्रिय रहना समझ से परे है।

मंत्री बनते ही राजधानी में सक्रिय हुआ कांग्रेसी युवा

इस बारे में सूत्रो ने बतलाया कि यह तथाकथित युवा अपना उल्लू सीधा करने में माहिर है और इसी प्रकार मंत्री विधायकों को पकड़कर दलाली का काम भी करता है। जैसे ही उसे इस बात की भनक लगी कि श्यामबिहारी जायसवाल मंत्री बन रहे हैं तो उसके द्वारा तत्काल श्यामबिहारी जायसवाल और उनके स्टाफ से संपर्क किया जाने लगा। श्यामबिहारी जायसवाल के द्वारा मंत्री पद की शपथ लेने के बाद से ही वह निज सचिव के माध्यम से मंत्री तक पहुंच गया। बतलाया जाता है कि उक्त युवक का एक रिश्तेदार चिकित्सकीय पेशे से जुड़ा हुआ है जिसके माध्यम से उसके द्वारा इस विभाग में भी काफी हस्तक्षेप किया जाता है अपने पहुंच व पकड़ की भपकी देकर लोगो को बरगलाने और दिग्भ्रमित करने का काम भी किया जाता है।

विनय जायसवाल और गुलाब कमरो के साथ कर रहा था काम अब स्वास्थ्य मंत्री के साथ

ग्राम नगर निवासी कांग्रेसी युवा के द्वारा भूपेश सरकार के कार्यकाल में भरतपुर सोनहत के तात्कालिक विधायक गुलाब कमरो मनेंद्रगढ के पूर्व विधायक विनय जायसवाल से भी संपर्क कर अपना काम निकाला जा रहा था। बतलाया जाता है कि पूरे पांच वर्ष उसके द्वारा कांग्रेसी बनकर कई जगह सप्लाई आदि का काम बड़े स्तर पर किया गया है। कांग्रेस सरकार में उसके द्वारा कुछ भी काम कराने का दावा किया जा रहा था,यहां तक कि मंत्री और विधायक के नाम पर भी अवैध उगाही करने की जानकारी मिल रही है। कांग्रेस कार्यकाल में उसके द्वारा जो काम प्रारंभ किया गया था उस पर कोई अड़चन ना आए इस वजह से अब उसके द्वारा मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के साथ लगकर अपना उल्लू सीधा किया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय एवं आवास के जिर्णोद्वार का काम भी इसी युवा को मिला

स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल को रायपुर शंकर नगर मे आवास मिला है इस आवास में पूर्व में मंत्री शिव डहरिया रहा करते थे। शिव डहरिया के द्वारा आवास खाली करने के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने आवास का निरीक्षण किया था इस दौरान भी उक्त कांग्रेसी युवा मौजूद था। मंत्री के निरीक्षण के बाद आवास एवं कार्यालय में जिर्णोद्वार कराया जाना था जिसका जिम्मा भी इसी युवक को सौंपा गया था,कार्यालय परिसर का जिर्णोद्वारा युवक के द्वारा कराये जाने के बाद पूजा पाठ के दौरान भी इसे यही देखा गया अब आवास का काम भी इसी युवा के द्वारा कराया जा रहा है। उक्त युवक मंत्री के आवास एवं कार्यालय मे दिन भर रहकर वहां के हर कार्य पर हस्तक्षेप करते देखा जाता है। स्वास्थ्य मंत्री के निज सचिव भी उक्त युवक का साथ देने में पीछे नही है। यह भी उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य मंत्री के बंगले में भाजपा कार्यकर्ता कम ही नजर आ रहे हैं जबकि कांग्रेसी युवा उनके साथ मौजूद रहता है।

आखिर क्यों स्वास्थ्य मंत्री को पसंद है यह संघ विरोधी युवा ?

जिस प्रकार युवा ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए आरएसएस,भाजपा और मोदी की नीतियों पर सवाल खड़ा किया है और उसके बाद अब भाजपा सरकार के मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने उसे पनाह देकर अपने शासकीय बंगले की जिम्मेदारी दे दी है वह काफी हास्यप्रद है। उक्त युवा के सोशल मीडिया में ऐसे पोस्ट की भरमार है जिसमें वह राष्टीय स्वयं संघ से लेकर भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपशब्दो एवं कटाक्ष करता हुआ पोस्ट है। लेकिन उसके बाद भी स्वास्थ्य मंत्री ने उसे ऐसी जगह बैठा दिया है जो कि सोचनीय विषय है,यह भी बताया जाता है कि मंत्री बंगले में उसे सक्रिय करने के पीछे मंत्री के निज सहायक भी भूमिका अहम है और वह युवा निज सहायक के निर्देशन में ही अपने कार्यो को अंजाम दे रहा है। सूत्रों ने बतलाया कि अभी कुछ दिन पहले युवा को स्वास्थ्य विभाग के ही किसी विंग से एक वाहन भी उपलब्ध करा दी गई है और वह उसी में घूमकर मंत्री का काम कर रहा है।

साथ रखेंगे या दूर करेंगे सवालिया निशान

लगातार प्रकाशित हो रही खबरों के बाद भी स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने अभी तक संज्ञान नही लिया है जो कि काफी हास्यप्रद है एवं मंत्री की कार्यप्रणाली पर भी सवालिया निशान लग रहा है। एक दलाल किस्म का कांग्रेसी युवा भाजपा सरकार के मंत्री के साथ लगकर काम कर रहा है,जो कि सोचनीय भी है यह भी कहा जा रहा है कि प्रदेश का कोई दूसरा मंत्री इस प्रकार कांग्रेसियों को पनाह नही दे रहा है लेकिन स्वास्थ्य मंत्री कांग्रेसी युवा को संरक्षण दे रहे है जो कि कई सवाल पैदा कर रहा है।

विधानसभा चुनाव के दौरान लगा था आदर्श आचार संहिता... अवकाश पर अधिकारियों कर्मचारियों के था प्रतिबंध...तब प्रभारी डीपीएम मुंबई के ताज होटल में क्या कर रहे थे?

» आचार संहिता के दौरान मुंबई के ताज होटल की तस्वीर खुद प्रभारी डीपीएम स्वास्थ्य विभाग कोरिया ने सोशल मीडिया में की थी वायरल

» आचार संहिता के दौरान विभाग ने आखिर किस काम से प्रभारी डीपीएम को भेजा था मुंबई?

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 01 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के प्रभारी डीपीएम स्वास्थ्य विभाग डॉक्टर प्रिंस जायसवाल अपनी कार्यप्रणालियों को लेकर हमेशा सुर्खियों में बने रहते हैं वह कोरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग में तो सुर्खियों में हैं ही वहीं वह एक अन्य मामले में भी दोषी साबित हो सकते हैं जो मामला है विधानसभा चुनाव के दौरान लगी हुई आदर्श आचार संहिता के दौरान उनका मुंबई भ्रमण। विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान जब प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू थी और शासकीय अधिकारियों सहित कर्मचारियों के अवकाश पर प्रतिबंध लगा हुआ था तब वह मुंबई भ्रमण पर थे ऐसा हम नहीं उन्ही की सोशल मिडिया पोस्ट कहती है जिसमे उन्होंने मुंबई के होटल ताज के भीतर की तस्वीर सोशल मीडिया में साझा की है।

होटल ताज की तस्वीर उन्होंने 28 अक्टूबर 2023 की डाली है और जिसके अनुसार उस दौरान वह वहीं थे जबकि शासकीय पद पर कार्य करते हुए उन्हें इस दौरान जिले से या राज्य से बाहर जाने की अनुमति प्राप्त शायद नहीं रही होगी। अब उन्हे स्वास्थ्य विभाग ने जिले के या राज्य के मुंबई भेजा था उस दौरान तभी ऐसा संभव हो सकता है वरना ऐसा करना नियमानुसार गलत है और यह अनुशासन हीनता की श्रेणी का मामला है। स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार लोगों को इस विषय पर जानकारी देना चाहिए की डीपीएम के पद पर कोरिया जिले में पदस्थ डॉक्टर प्रिंस जायसवाल को किस काम से मुंबई भेजा गया था वह भी आदर्श आचार संहिता के दौरान?

वैसे डीपीएम डॉक्टर प्रिंस जायसवाल ने ताज होटल की तस्वीर साझा करते समय यह भी जाहिर किया है की वह ताज के मेहमान हैं जो मुंबई सहित देश के सबसे महंगे होटलों में से एक है, वैसे डीपीएम स्वास्थ्य विभाग कोरिया जब विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान मुंबई गए रहे होंगे तब उनको तत्कालीन कांग्रेस सरकार के नेताओं का संरक्षण प्राप्त रहा होगा वहीं ऐसा कोई अन्य छोटा कर्मचारी करता उसके विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही हो चुकी होती निलंबन जैसा स्थिति से वह गुजरा जरूर होता। वैसे डीपीएम स्वास्थ्य विभाग कोरिया संविदा कर्मचारी हैं और संविदा कर्मचारियों पर आदर्श आचार संहिता का कितना प्रभाव या उनके लिए यह कितना पालन करने योग्य विषय रहता है यह तो विभाग जाने लेकिन जानकारों के अनुसार यदि उन्होंने आदर्श आचार संहिता के दौरान प्रदेश से बाहर का दौरा बिना अनुमति किया है या वह बगैर किसी शासकीय कार्य वहां पहुंचे थे टी यह गलत ही होगा। आदर्श आचार संहिता के दौरान प्रायः देखा गया है की कर्मचारियों को तनिक विलंब जो किसी कारणवश भी हुई होती है के लिए निलंबित कर दिया जाता है,आवश्यक अति आवश्यक अवकाश आवेदनों पर भी कई बार विचार होता है,गंभीर बीमारी सहित अन्य बीमारी मामलों में मेडिकल बोर्ड से भी जांच कराई जाती है तब जाकर अवकाश की स्वीकृति प्रदान की जाती है जबकि यदि स्वास्थ्य विभाग के डीपीएम आदर्श आचार संहिता के दौरान राज्य से बाहर हैं जबकि मुख्यालय भी नहीं छोड़ना है तो उनके ऊपर कोई कार्यवाही क्यों नहीं हुई यह बड़ा प्रश्न है जबकि वह स्वयं सोशल मिडिया में तस्वीरें साझा कर यह साबित भी कर रहे हैं की वह मुंबई में हैं।

दिनभर चली कार्यवाही और अंततःसीईओ राधेश्याम मिर्झा को ईडी लेकर चली गई

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 01 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

अंततः बैकुण्ठपुर सीईओ राधेश्याम मिर्झा को ईडी की टीम लेकर रवाना हो गई,सीईओ की गिरफ्तारी को लेकर ईडी ने किसी भी प्रकार का जवाब नही दिया, पर फिलहाल वो ईडी की कस्टडी में बिलासपुर की ओर रवाना हो गए। दिनभर चली कार्यवाही को लेकर शहर में हड़कंप मचा रहा।

जानकारी के अनुसार कोरिया जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर में पहली बार ईडी की दबिश पड़ी, दो कार में आये ईडी के अफसर और सीआरपीएफ के जवानों ने 2 घंटे तो सिर्फ सीईओ की खोज की, सुबह 7 बजे उन्हें जल संसाधन विभाग में आराम फरमाते पाया गया, जिसके बाद ईडी ने पूछताछ शुरू की जो लगभग साढ़े 9 घंटे चली, इस बीच ईडी ने उन्हें खाना भी खिलाया।

जनपद के ड्राइवर को बुलाया गया- साढ़े 9 घण्टे चली पूछताछ के बाद सीईओ ने जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर के ड्राइवर राजू को बुलवाने को कहा जिसके बाद राजू के आने पर सीईओ की इनोवा कार में सीईओ को बिठाया गया उनके साथ एक ईडी के अधिकारी और दूसरी गाड़ी में ईडी के अधिकारी और कुछ सीआरपीएफ के जवान और तीसरी कार में कुछ अधिकारी मौजूद रहे।

नही दिया कोई जवाब-सीईओ को कस्टडी में लेकर जा रहे ईडी के अधिकारियों से सीईओ को गिरफ्तार करने का सवाल किया गया परंतु उन्होंने किसी भी प्रकार का कोई जवाब नही दिया। इससे पहले कोरिया में हुई पहली बार ईडी की कार्यवाही को लेकर शहर भर चर्चा का विषय बना रहा वही अफसरों में इसे लेकर हड़कंप।

राज्य सरकार ने जारी नहीं किया था डीपीएम का आदेश...कांग्रेस सरकार के आदेश का क्या हुआ?

राज्य सरकार ने जिला सलाहकार (आरएमएनसीएच प्लस ए) के पद को विलोपित कर कैसे बना दिया डीपीएम ?

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर,01 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

लोकसभा चुनाव को देखते हुए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने भतीजे डॉ प्रिंस जायसवाल को पुरूस्कृत करते हुए सुरजपुर जिले के स्वास्थ्य विभाग का डीपीएम बना दिया, जबकि उसका मूल पद जिला सलाहकार (आरएमएनसीएच प्लस ए) है, अक्टूबर 2022 में कोरिया कलेक्टर ने भी नियमों को दरकिनार करते हुए कोरिया का प्रभारी डीपीएम बनाया था, जबकि राज्य सरकार ने कोरिया के डीपीएम पद पर राकेश वर्मा की नियुक्ति की थी और इसके पूर्व जिला सलाहकार (आरएमएनसीएच प्लस ए) के पद को डीपीएम के रूप में पदोन्नत भी हीं किया था। राज्य सरकार के आदेश से साफ प्रतीत हो रहा है कि मिशन डायरेक्टर को भी गुमराह कर आदेश जारी करवाया गया है।

कोरिया में भ्रष्टाचार को लेकर स्वास्थ्य विभाग कई महिनों से सुर्खियों में है। कांग्रेस के कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार की जांच करना तो दूर भाजपा के स्वास्थ्य मंत्री ने अपने भतीजे को सुरजपुर जिले को डीपीएम बनाकर पुरूस्कृत कर दिया है। कांग्रेस का कार्यकाल भ्रष्टाचार के लिए जाना जाता रहा है, कोरिया जिले में कई वर्षो से एक ही स्थान पर जमे संविदा डॉ प्रिंस जायसवाल जिला सलाहकार (आरएमएनसीएच प्लस ए) के पद पर पदस्थ है, कांग्रेस के कार्यकाल में स्वास्थ्य मंत्रालय में उसकी ऐसी पैठ थी कि उसे नव निर्मित जिला एमसीबी का डीपीएम बना दिया गया, जिसके बाद वहां तमाम विरोध शुरू हो गया, इधर, तत्कालिन कलेक्टर कुलदीप शर्मा के स्थानांतरण के बाद नवपदस्थ कलेक्टर विनय कुमार लंगेह का पदार्पण हुआ। आते ही एनएचएम के बजट का सब्जबाग दिखाकर नोटशीट में एमसीबी के साथ साथ कोरिया का भी प्रभारी डीपीएम बना दिया गया। कार्यशैली से एमसीबी और कोरिया के नेता काफी नाराज थे, जिसके बाद 16 मई 23 को राज्य सरकार ने प्रभारी डीपीएम को दोनों जिलो से हटाकर दोनों स्थान पर नई नियुक्ति कर डाली। कोरिया में पदस्थ हुए डीपीएम को प्रभारी सीएमएचओ डॉ आरएस सेंगर ने ज्वाइन नहीं करने दिया। कांग्रेस की सरकार बदलने के बाद जब वो ज्वाइन करने आए तो प्रभारी सीएमएचओ ने उन्हें यह कह कर चलता कर दिया कि आपके मामले मे मार्गदर्षन लिया जाना है। बीते अक्टूबर 2022 से अब तक एनएचएम सहित रेगुलर मद में जमकर खरीदियों में जमकर वित्तीय अनियमितताएं बरती गई, परन्तु इसकी जानकारी किसी भी सूचना के अधिकार से नहीं दी गयी।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन | घटती घटना | सूरजपुर-कोरिया-समाचार | अम्बिकापुर , गुरूवार 15 फरवरी 2024 | 5

क्या सीएमएचओ के लिए उनके वाहन का नंबर प्लेट पीला होना उनके शान के खिलाफ?

स्वास्थ्य विभाग में अधिग्रहित वाहन में भी चल रहा है भ्रष्टाचार का खेल

प्रभारी डीपीएम आखिर कहां इतना दौरा करते हैं कि महीने भर में 5 हजार चल जाती है उनकी गाड़ी?

स्वास्थ्य विभाग छत्तीसगढ़ का पर गाड़ी चलती है मध्य प्रदेश

स्वास्थ्य विभाग छत्तीसगढ़ का पर गाड़ी चलती है मध्य प्रदेश की...पर किसी का भी नहीं जाता इस ओर ध्यान?

सीएमएचओ को पीली नंबर प्लेट से दिक्कत

खबर का हो रहा है असर

महीने में 30 दिन काम

जिला सलाहकार (आरएमएनसीएच प्लस ए) को कलेक्टर ने बनाया था डीपीएम

राज्य सरकार के आदेश में कोरिया के जिला सलाहकार (आरएमएनसीएच प्लस ए) के पद पर पदस्थ डॉ प्रिस जायसवाल को प्रभारी डीपीएम बताया गया है,जबकि राज्य सरकार ने उसे पदोन्त नहीं किया है ना ही आदेशित किया गया है। प्रभारी डीपीएम को कलेक्टर कोरिया ने नोटशीट पर प्रभारी बनाया था। ऐसे में सवाल यह खड़ा हो रहा है कि प्रभारी डीपीएम के मूल पद को आखिर विलोपित कैसे कर दिया गया। जबकि इनके मूल पद को कोरिया ही रखा गया है, सूत्र बताते है कि बड़ी ही चालाकी से आदेश करवाया गया है, ताकि कोरिया में भी बने रहे और सुरजपुर जिले के बड़े बजट में खेला किया जा सके।

अधिग्रहित वाहन में खुद ड्राइव कर रहे है सीएमएचओ

प्रभारी सीएमएचओ डॉ आर एस सेंगर नई नवेली वेन्यू कार में घूम रहे है सरकारी वाहनो को उन्होंने आते ही कंडम बता दिया था, मप्र पासिंग इस वेन्यू कार को वो खुद ड्राइव कर रहे है, ऐसे ही प्रभारी डीपीएम भी लंबे समय से खुद ही किराए की कार ड्राइव कर रहे है, दोनो बिना ड्राइवर खुद कार ड्राइवर इसलिए कर रहे है ताकि उनकी गुप्त बाते ड्राइवर तक नही पहुंच सकें। कार्यालय की बात करें तो दोनो कमरा बन्द करके मंत्रणा करते है ताकि ऑफिस का कोई भी कर्मचारी उनकी बात नही सुन सके। आखिर ऐसी कौन सी गुप्त बाते दोनो के बीच हो रही है ये बड़ा सवाल है। जबकि ड्राइवर के नाम पर किराए की गाड़ी में सरकारी खर्च तो व्यय हो ही रहा है।

पूर्ववर्ती सरकार के आदेश का तो पालन नहीं हुआ तो अब वर्तमान सरकार के आदेश का पालन कर पाएंगे प्रभारी डीपीएम?

कांग्रेस सरकार के समय में प्रभारी डीपीएम डॉक्टर प्रिंस जायसवाल को उनके मूल पद पर वापस कर दिया गया था उसके बाद बैकुंठपुर के लिए राकेश वर्मा को प्रभारी डीपीएम बनाया गया था पर ना ही डॉक्टर प्रिंस जायसवाल ने प्रभार छोड़ा और ना ही राकेश शर्मा प्रभार ले पाए और दूसरा आदेश आ गया अब ऐसे में सवाल यह उठता है कि पहले आदेश का तो पालन हुआ नहीं अब दूसरे आदेश का भी क्या पालन हो पाएगा?

वेन्यू कार किराए पर

प्रायः अर्टिगा कार इनोवा कार को आपने किराए पर दिया जाना सुना होगा, पर सीएमएचओ के लिए कार मालिक ने नई वेन्यू कार वो भी मध्यप्रदेश के अनुपपुर से खरीद कर दी है। मप्र की पासिंग कार में जो टैक्स है वो मप्र सरकार को दिया गया है और वो छत्तीसगढ़ में दौड़ रही है ऐसे में मप्र की कार को छत्तीसगढ़ में सरकारी कार्यालय में चलने की अनुमति किसने दे दी है यह भी बड़ा सवाल है। क्या छत्तीसगढ़ राज्य के आर टी ओ में पंजीकृत गाड़ी स्वास्थ्य विभाग कोरिया किराए पर नहीं खोज पा रही है।

क्या आदेशों की अवहेलना करना डॉक्टर प्रिंस जयसवाल की आदत है?

वैसे पूरे मामले पर गौर किया जाए तो डॉक्टर प्रिंस जायसवाल शासकीय आदेशों की अवहेलना करना ही जानते हैं और वह ऐसा करते रहते हैं ऐसा कहा जा सकता है। डॉक्टर प्रिंस जायसवाल अपने मन मुताबिक स्वास्थ्य विभाग में काम करना चाहते हैं भले बात कांग्रेस शासनकाल की हो या वर्तमान सरकार के कार्यकाल की। अब तो वह खुलेआम स्वास्थ्य मंत्री को अपना चाचा बता रहे हैं ऐसे में उनके ऊपर उनकी दोषपूर्ण कार्यप्रणाली पर अंकुश भी कौन लगाएगा यह बड़ा सवाल है। वह पूर्व की ही भांति शासकीय आदेशों की अवहेलना करते रहेंगे और उन्हे रोकने टोकने वाला कोई नहीं होगा यह कहना गलत नहीं होगा।

कोटपा अधिनियम के तहत मानिकपुर थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में की गई कार्यवाही

- संवाददाता -
कोरबा, 01 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. एन. केशरी के निर्देशानुसार डॉ. कुमार पुष्पेश नोडल अधिकारी एनटीपीसी के नेतृत्व में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. मानसी जायसवाल, जिला सलाहकार, श्री सुनील कुमार सांडे ड्रग इंपेक्टर,श्री प्रेमचंद साहू थाना प्रभारी मानिकपुर की संयुक्त टीम के द्वारा मानिकपुर थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में कोटपा एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। सीएमएचओ ने बताया कि मानिकपुर थाना क्षेत्र के 11 जगह कोटपा अधिनियम के तहत कार्यवाही किया गया है। जिसके अंतर्गत 08 चालानी कार्यवाही में 1000 रूपये वसूल किए गए है, साथ ही 03 स्थानों पर समझाइश दी गई।

इस दौरान आमजनों को कोटपा एक्ट-2003 के धारा 04 के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध, धारा 5 के तहत सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पादन के विज्ञापन पर प्रतिबंध, धारा 6 के तहत नाबालिकों और शैक्षणिक संस्थानों के आसपास सिगरेट या अन्य तम्बाकू उत्पादों की बिक्रि पर प्रतिबंध, बिना विशिष्ट स्वास्थ्य चेतावनियों के सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध के संबंध में जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि धारा 4 एवं 6 के तहत 200 रूपये तक जुर्माना किया जा सकता है साथ ही तम्बाकू उत्पाद बेचने पर प्रतिबंधित करने वाले पोस्टर दुकानों में चस्पा किया गया तथा तम्बाकू उत्पाद नहीं बेचने हेतु निर्देशित भी किया गया है ।

फिरौती की नियत से किए गए कत्ल की गुत्थी को कोरबा पुलिस ने सुलझाया

- संवाददाता -
कोरबा,01 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

जिला पुलिस मुख्यालय में पुलिस कप्तान श्री सिद्धार्थ ने प्रेसवार्ता में विगत दिनों करतला क्षेत्र में हुए अंधे कत्ल का खुलासा करते हुए पत्रकारों को बताया के प्रार्थी अजय प्रकाश साहू पिता दादूलाल साहू, उम्र 31 वर्ष निवासी नवाडीह सेंदरीपाली थाना करतला, जिला कोरबा (छ.ग.) के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि दिनांक 14.02.2024 के रात्रि 22:30 बजे से दिनांक 15.02.2024 के सुबह 09:00 बजे के मध्य मेरे भाई अमित कुमार साहू को किसी अज्ञात व्यक्तियों द्वारा ग्राम औरई से लबेद वनमार्ग पर सिर को पत्थर से कुचलकर एवं बोलेरो वाहन से कुचलकर हत्या कर दिया गया है कि रिपोर्ट पर धारा सदर का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा एवं उप पुलिस अधीक्षक अजाक बनेडिक्ट मिंज के पर्यवेक्षण मे एक टीम गठित किया गया जिसमे थाना करतला, थाना उरगा, सायबर सेल कोरबा को दिशानिर्देश प्राप्त हुआ। वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त दिशानिर्देश के परिपालन में टीम के द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया गया,टीम के साथ फोरेंसिक अधिकारी, डॉग स्कॉड को भी शामिल किया गया। टीम के द्वारा घटना स्थल कि बारीकी से जाँच की गई, जाँच के दौरान पाया गया की बोलेरों मे भी खून के निशान पाये गए। घटना स्थल पर ही बोलेरो के साथ मृतक के बॉडी के पास मोबाईल फोन, घड़ी, खून से सना पत्थर एवं हुडी कैप मिला जिसे पुलिस के द्वारा कब्जा पुलिस लिया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा 05 टीम बनाकर कार्यो का विभाजन किया गया। पुलिस की टीम के द्वारा थाना करतला क्षेत्रातंर्गत कैम्प करके सभी पहलुओं को बारीकी से जाँच पड़ताल करने में जुट गई, टीम को पूछताछ के दौरान यह जानकारी प्राप्त हुई कि मृतक को फोन करके बोलेरो कोरबा हॉस्पिटल मरीज को ब्लड देने जाने के लिए किया गया था। पुलिस के जाँच पड़ताल में यह पता चला

कि जिस नंबर से फोन आया था वह मोबाईल केरवा के व्यक्ति का था, जिससे पूछताछ पर पता चला कि काले रंग के स्कुटी मे दो अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा शाम को बात करने के बहाने मेरे मोबाईल फोन को लूट लिया गया था। जाँच के दौरान पुलिस को मृतक के परिवार द्वारा बताया गया कि मेरा छोटा बेटा अजय प्रकाश साहू ग्राम नवाडीह मे ही ग्राहक सेवा केन्द्र का संचालन करता है एवं मेरा बड़ा बेटा अमित साहू द्वारा गाडी बुकिंग एवं खेती किसानी का कार्य अपने पिताजी दादूलाल साहू के साथ करता है। पुलिस को यह भी शंका हुआ कि मृतक के मृत्यु का कारण जमीन विवाद, परिवरिक कलाह, आपसी लेनदेन का विवाद हो सकता है। इन सभी पहलुओं पर लगातार गाँव वालों एवं अन्य आसपास के गाँव के व्यक्तियों से विवाद संबंधित बातों को लेकर किसी व्यक्ति से कोई दुश्मनी तो नही है, लेकिन पुलिस को जाँच के दौरान मृतक एवं उनके परिवार के बारे मे कोई बात ऐसा पता नही चला सघन पूछताछ जारी रखा गया था। टीम के द्वारा केराकछार, नवाडीह, सेंदरीपाली, केरवाद्वारी, फत्तेहगंज, गनियारी, औराई, लबेद, रीवापार, तुमान, चिकनीपाली आदि गाँव के लोगो से पूछताछ किया गया। पूछताछ के दौरान टीम को सूचना मिली कि घटना दिनांक के बाद से गाँव नवाडीह के तीन व्यक्ति गॉव मे नही थें। जिस पर उक्त व्यक्तियों की पतासाजी किया गया जिस पर संदेही पवन कुमार कंवर से पूछताछ किया गया पूछताछ में उसने अपने साथियों के साथ घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। पवन कुमार कंवर के निशानदेही पर रायपुर से हेमलाल दिव्य एवं राजेश कुमार लहरे को उत्तर प्रदेश, गोरखपुर नेपाल बार्डर के पास से पकड़ा गया। आरोपियों की पहचान कार्यवाही कराया गया जिसमे मोबाईल लूट के आरोपियों को प्रार्थी द्वारा पहचाना गया। आरोपियों ने पूछताछ में अपना जुर्म स्वीकार किये उनके द्वारा बताया गया कि लूटपाट एवं फिरौती के नियत से मृतक को धोखे से बुलाकर अपहरण किये थे। हम लोग जानते थे कि उन दोनो भाईयों के पास पैसा रहता है। इसलिए हम लोगो ने योजना बनाकर घटना को अंजाम दिया। मृतक अमित द्वारा आरोपियों को पहचान लेने और पकड़े जाने के डर से बोलेरो वाहन से कुचलकर एवं सिर पर पत्थर पटककर हत्या कर दिये थे। आरोपियों के निशानदेही पर घटना मे प्रयुक्त हसिया, गमछा, लूटा गया मोबाईल, स्कूटी को बरामद किया गया है। आरोपियों का कृत्य धारा सदर का पाये जाने से अपराध क्रमांक 16/2024 धारा 302 भादवि कायम कर 01. राजेश कुमार लहरे पिता सुघु लहरे उम्र 24 वर्ष साकिन नवाडीह सेंदरीपाली थाना करतला जिला कोरबा (छ.ग.)02. हेमलाल दिव्य उर्फ कुष्वा पिता चेतन लाल दिव्य उम्र 28 वर्ष साकिन नवाडीह सेंदरीपाली थाना करतला जिला कोरबा (छ.ग.)03. पवन कुमार कंवर पिता धरम सिंह कंवर उम्र 27 वर्ष साकिन नवाडीह सेंदरीपाली थाना करतला जिला कोरबा (छ.ग.)गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा जा रहा है।

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला-सूरजपुर छ.ग.

(सार्वजनिक उदघोषणा)

क्रं0/क्यू/वाचक/2/2024 दिनांक 20/02/2024

सर्व साधारण ग्राम नमदगिरी तहसील सूरजपुर जिला-सूरजपुर छ0ग0 को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक रामप्रकाश पिता/पतिः- राम केश्वर जाति रजवार निवासी-ग्राम नमदगिरी तहसील व जिला सूरजपुर छ0ग0 के द्वारा अपने पुत्र (मौसी) कयासो पत्नि धनीराम का जन्म दिनांक 05/06/2005 होने से जन्म प्रमाण पत्र हेतु स्थानीय रजिस्ट्रार (जन्म/मृत्यु) रजिस्ट्रीकरण (मध्यप्रदेश) नियम 1973 के नियम 10 (3) के अंतर्गत निर्देष देने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आछेप/आपत्ति हो तो दिनांक 10/03/2024 को समय 11:00 बजे इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिकृत अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकतें है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आछेप/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। तदानुसार प्रकरण में कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 20/02/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार सूरजपुर, छ0ग0

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला-सूरजपुर छ.ग.

(सार्वजनिक उदघोषणा)

क्रं0/क्यू/वाचक/2/2024 दिनांक 20/02/2024

सर्व साधारण ग्राम नमदगिरी तहसील सूरजपुर जिला-सूरजपुर छ0ग0 को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक रामप्रकाश पिता/पतिः- राम केश्वर जाति रजवार निवासी-ग्राम नमदगिरी तहसील व जिला सूरजपुर छ0ग0 के द्वारा अपने पुत्र नाना उजित राम पिता/पत्नि रामफल का जन्म दिनांक 05/04/2006 होने से जन्म प्रमाण पत्र हेतुस्थानीय रजिस्टार (जन्म/मृत्यु) रजिस्ट्रीकरण (मध्यप्रदेश) नियम 1973 के नियम 10 (3) के अंतर्गत निर्देष देने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आछेप/आपत्ति हो तो दिनांक 10/03/2024 को समय 11:00 बजे इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिकृत अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकतें है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आछेप/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। तदानुसार प्रकरण में कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 20/02/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार सूरजपुर, छ0ग0

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ.ग.

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 /अ-2/2023-2024

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नितिन मिश्र पिता राजधनी मिश्र जाति ब्राम्हण निवासी भठ्टीरोड़ केदारपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम सरगंवा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 खसरा नंबर 334/29 रकबा 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, रि-नम्बरींग सूची, अनुमति आदेश की प्रति, ले-आउट, रजिस्ट्री की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव अक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 16/03/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/03/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी रा0अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0......./अ-20(3)/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विश्वकला देवी पत्नी स्व0 लल्लू जायसवाल एवं अन्य-19 निवासी मणिपुर तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व की मोहल्ला मणिपुर नगर अम्बिकापुर शीट नंबर-10 स्थित नजूल प्लाट नंबर 4230/2 रकबा 0.006 हे0 भूमि को रूपये- 12,00,000-00 में अनावेदक प्रदीप कुमार साहूँ आ0 रामचन्द्र सॉहू निवासी कबीर वार्ड क्रमांक-38 हनुमान मंदिर के पास भाथूपारा थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13/03/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 06/01/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02 जिला-सरगुजा छ.ग.

रा0प्र0क्र0-202402021700073 /अ-21/2023-2024

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक निरेन्द्र बहादुर सिंह आ0 स्व0 चन्द्रप्रताप सिंह, निवासी ग्राम भगवानपुरखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम भगवानपुरखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 201/1 रकबा 0.279 हे0 (2790 वर्गमीटर) में से कुल 396.09 वर्गमीटर भूमि एवं उस पर निर्मित मकान को अनावेदक अनिल सिंह आ0 स्व0 मदन सिंह, निवासी रिंग रोड नमनाकला, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 व अन्य 03, को कुल रू0 1,13,00,000/- (एक करोड़ तेरह लाख रूपये) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 18/03/2024 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 26/02/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.202312021200........... /अ-6/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शुभम तायल, आ0 विजय तायल, निवासी-बसंत लाल मार्ग, नगर अम्बिकापुर, तहसील-अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा बाबुपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नंबर 3467/4866/183 में से रकबा 1250 वर्गफिट, भूमि को अनावेदक/विक्रेता श्री विकास गर्ग, आ0 विष्णु प्रताप अग्रवाल, उम्र-48 वर्ष, निवासी-सेठ बसंब लाल मार्ग अम्बिकापुर जिला-सरगुजा, से पंजीबद्ध विक्रय पत्र के माध्यम से दिनांक 05/02/2024 को क्रय किया है। उक्त नजूल भूमि के अभिलेखों में आवेदक का नाम पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम दर्ज किये जाने बाबत आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110, छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1159 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 18/03/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 21/02/2024 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांक : 202402020700283

विषयः- अ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2023-2024

फुन्दुरडिहारी प.ह.न. 00016 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार- अंजली रानी,
अनावेदक पक्षकार- पुष्पा एक्का पति स्व.अनिल कुमार ना.बा.अंकुश,ना.बा.

ईश्तहार

आवेदक अंजली रानी आ0 स्व0 अनिल कुमार, निवासी राजेन्द्र नगर, लकडापारा, फुन्दुरडिहारी, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम फुदुरडिहारी स्थित खसरा नंबर 40/79 रकबा 0.012 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृत भूमि स्वामी स्व0 पुष्पा एक्का एवं स्व0 अंकुश का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, जिसका निराकरण न्यायालय में साक्ष्य लिया जाकर गुण दोष के आधार पर करने हेतु ऑनलाईल ई नामांतरण पंजी से प्रकरण ई कोर्ट में स्थानांतरित किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 18/03/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 22/02/2024 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार तहसील-अम्बिकापुर

संक्षिप्त खेल समाचार

एकापुल्को के सेमीफाइनल में पहुंचे डी मिनौर

एकापुल्को,01 मार्च 2024। तीसरी वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलियाई एलेक्स डी मिनौर ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए पांचवीं वरीयता प्राप्त ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को तीन सेटों में 1-6, 6-3, 6-4 से हराकर मैक्सिकन ओपन में लगातार दूसरे साल सेमीफाइनल में प्रवेश किया।इस जीत के साथ डी मिनौर ने सितसिपास के खिलाफ अपनी दस मैचों की हार का सिलसिला तोड़ दिया।ऑस्ट्रेलियाई ने मैच के बाद कहा, हर बार जब मैं उसके साथ खेलता हूं तो मुझे अपने रिकॉर्ड मैचअप के बारे में याद आता है। मुझे खुशी है कि मुझे जीत मिली।इस जीत ने डी मिनौर को उनके 23वें एटीपी टूर सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। साथ ही उन्हें 2010-12 के चैंपियन डेविड फेरर के 2013 के फाइनल में पहुंचने के बाद अगले साल सेमीफाइनल में पहुंचने वाला दूसरा एकापुल्को चैंपियन भी बनाया।डी मिनौर का सेमीफ़ाइनल मुकाबला जैक ड्रेपर के साथ है, जो तीन मैचों में केवल 11 गेम हारकर यहां पहुंचे हैं।

फ्रांस के मिडफील्डर पॉल पोग्बा पर लगा 4 साल का बैन

यूगांडा,01 मार्च 2024। यूवेंट्स के मिडफील्डर पॉल पोग्बा पर टेस्टोस्टेरॉन का पॉजिटिव पाये जाने के बाद को चार साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया। इटली की डोपिंग रोधी अदालत ने विश्व कप विजेता फुटबॉलर पोग्बा के सितंबर में पॉजिटिव पाये जाने के बाद इस अधिकतम प्रतिबंध की घोषणा की। 20 अगस्त को उडिनेसे में युवेंटस के मैच के बाद उनकी जांच की गयी थी। वह सीरी ए के इस मैच में नहीं खेले थे और बेंच पर ही थे। पोग्बा ने इटली की डोपिंग रोधी एजेंसी के साथ कोई समझौता नहीं करने का फैसला किया जिसके बाद यह मामला देश की डोपिंग रोधी अदालत के समक्ष चलाया गया। इटली के गोपनीयता कानून के कारण पोग्बा की सजा को सार्वजनिक नहीं किया गया लेकिन इस मामले की प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने गोपनीयता की शर्त पर 'द एसोसिएटेड प्रेस' से इस फैसले की पुष्टि की।

लखनऊ सुपर जांयट्स के होम मैचों के टिकट्स के लिए शुरू हुआ प्री रजिस्ट्रेशन

लखनऊ,01 मार्च 2024। आगामी आईपीएल 2024 के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। वहीं दरअसल, 22 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग का 17वां सीजन शुरू हो रहा है। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स अपना अभियान 24 मार्च से करेगी। लेकिन अपने होम ग्राउंड पर वह पहला मैच 30 मार्च को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलेगी। जबकि दूसरा होम ग्राउंड मैच 7 अप्रैल को गुजरात के खिलाफ खेलेगी।

सात मार्च को यशस्वी जायसवाल दिखाएंगे अपना जौहर

» टूटेगा 34 साल पुराना रिकॉर्ड
» यह मुकाम हासिल करने वाले बनेंगे पहले भारतीय बैटर
» ग्राहम गूच के 34 साल पुराने रिकॉर्ड पर होगी यशस्वी की निगाहें
» 7 मार्च से धर्मशाला में खेला जाएगा पांचवें टेस्ट मैच

नई दिल्ली,01 मार्च 2024। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज यशस्वी जायसवाल के लिए यादगार रही है। यशस्वी का बल्ला इस सीरीज में जमकर बोला है और वह कई बड़े रिकॉर्ड्स को ध्वस्त कर चुके हैं। चार मैचों में युवा सलामी बल्लेबाज 93.57 की औसत से 655 रन कूट चुका है, जिसमें एक दोहरा शतक भी शामिल है। धर्मशाला में होने वाले पांचवें टेस्ट में यशस्वी के पास इतिहास रचने का सुनहरा मौका होगा। यशस्वी की निगाहें सुनील गावस्कर के महारिकॉर्ड पर भी होंगी।

यशस्वी रचेंगे धर्मशाला के मैदान में इतिहास

यशस्वी जायसवाल की दमदार बल्लेबाजी के दम पर भारतीय टीम सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त पहले ही हासिल कर चुकी है। यशस्वी भारत और इंग्लैंड सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में पहले ही विराट कोहली की बराबरी कर चुके हैं। धर्मशाला में होने वाले पांचवें टेस्ट में यशस्वी के पास 34 साल पुराना रिकॉर्ड चकनाचूर करने का सुनहरा मौका होगा।दरअसल, भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ग्राहम गूच के नाम है, जिन्होंने साल 1990 में तीन मैचों की सीरीज में 752 रन कूटे थे। यशस्वी अगर आखिरी टेस्ट में 98 रन बनाने में सफल रहते हैं, तो वह इस रिकॉर्ड को ध्वस्त कर देंगे।

गावस्कर के ऑलटाइम रिकॉर्ड पर भी होगी यशस्वी की निगाहें

यशस्वी जायसवाल की निगाहें सुनील गावस्कर के ऑलटाइम रिकॉर्ड पर भी होगी। दरअसल, भारत के लिए एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड सुनील गावस्कर के नाम है। गावस्कर ने साल 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 774 रन कूटे थे। यशस्वी अगर सीरीज के आखिरी टेस्ट में 120 रन बनाने में सफल रहते हैं, तो वह गावस्कर को पीछे छोड़ देंगे।

यशस्वी ऐसा करने वाले बनेंगे पहले भारतीय बैटर

यशस्वी जायसवाल टेस्ट क्रिकेट में अपने एक हजार रन पूरे करने से महज 29 रन दूर हैं। यशस्वी धर्मशाला में अगर 29 रन बना लेते हैं, तो वह भारत की ओर से सिर्फ 9वें टेस्ट मैच में एक हजार रन पूरे करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। यशस्वी ने अब तक 15 पारियों में 971 रन ठोके हैं।

मणिपुर,दिल्ली रेलवे ने क्वार्टर फाइनल में बर्थ पक्की की

इटानगर (अरुणाचल प्रदेश),01 मार्च 2024। यहां के गोल्डन जुबली स्टेडियम में मणिपुर, दिल्ली और रेलवे ने संतोष ट्रॉफी 2024 के लिए राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। छह टीमें क्वार्टर फाइनल में दो स्थानों के लिए दौड़ में हैं।

नीचे की तीन टीमों - मिजोरम, महाराष्ट्र और कर्नाटक को 2 मार्च को ग्रूप के अपने-अपने आखिरी मैचों में अंतिम स्थान के लिए लडऩा होगा।

मणिपुर ने मिजोरम के खिलाफ 4-1 की बड़ी जीत के साथ ग्रुप बी तालिका में शीर्ष पर अपनी बढ़त बनाए रखी; वे अब 10 अंकों के साथ समूह में शीर्ष पर हैं। इस बीच, दिल्ली और रेलवे दोनों अब सात-सात अंक पर हैं और इस तरह उन्होंने अंतिम आठ में अपना स्थान पक्का कर लिया है।

ग्रूप ए में चार क्वार्टर फाइनलिस्ट पहले ही तय हो चुके हैं, केवल एक नॉकआउट स्थान बचा है, जो ग्रूप बी में मिजोरम (चार अंक), महाराष्ट्र (तीन अंक) और कर्नाटक (दो अंक) के बीच खेला जाएगा।

रेलवे कर्नाटक से आगे निकल गया है।

रेलवे ने गत चैंपियन कर्नाटक को 1-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी योग्यता की पुष्टि की।

सुब्रत मुर्मू (53) ने खेल का एकमात्र गोल दूसरे हाफ में किया, जिससे कर्नाटक को हार का सामना करना पड़ा, जिससे उनकी क्वार्टर फाइनल की संभावनाएं गंभीर खतरे में पड़ गईं, क्योंकि वे चार मैचों में केवल दो अंक ही जुटा पाए हैं।

रेलवे ने क्वार्टर फाइनल का टिकट सुरक्षित कर लिया है, लेकिन ग्रूप में बेहतर स्थिति के लिए वह मिजोरम के खिलाफ अपने आखिरी गेम में अधिकतम अंक हासिल करना चाहेगा।

गत विजेता हताश थे, उन्हें तीन अंकों की जरूरत थी और उन्होंने मैच भी उसी तरह खेला। रवि बाबू राजू द्वारा प्रशिक्षित, जिन्होंने उन्हें रियाद में पिछले सीजन में खिताब दिलाया था, उन्होंने रेलवे की रक्षा पर लगातार हमलों के साथ मैच की शुरुआत की।

फारवर्ड निखिल राज मुरुगेश कुमार क्वार्टर-घंटे के बाद उन्हें बढ़त दिलाने के बहुत करीब आ गए, जब उन्होंने रेलवे की रक्षा के भीतर कुछ भ्रम का फायदा उठाते हुए एक खाली गोल पर अपना शॉट लगाया, लेकिन उनका प्रयास पोस्ट से बाहर हो गया।

विनिथ वेंकटेश ने रिबाउंड पर छलांग लगाई, लेकिन रेलवे के गोलकीपर अनुपम सिन्हा ने उसे रोक लिया और एक पॉइंट-ब्लैंक बचा लिया।रेलवे डिफेंस ने स्कोर बराबर बनाए रखने के लिए अपना संघर्ष जारी रखा, और आधे घंटे के निशान के थोड़ी देर बाद, डिफेंडर मोनिश मजूमदार ने बैक-टू-बैक ब्लॉक बनाने के लिए बहुत जागरूकता दिखाई, पहले सिक्स के अंदर से निखिल राज द्वारा बैक-फ्लिक पर यार्ड बॉक्स, और फिर विशाल आर द्वारा रिबाउंड के प्रयास से।

गोलकीपर सिन्हा ने एक लंबी छलांग लगाई, जिसे सिरों के झुंड ने गिरा दिया, क्योंकि सुब्रत मुर्मू गेंद की ओर दौड़े, उन्होंने कर्नाटक के सेंटर-बैक प्रबीन तिग्गा को छकाया और फिर फ्लिक करने से पहले उसे बाहर और फिर अंदर घुमाने के लिए आगे बढ़े। गेंद उसके बूट के बाहरी हिस्से से गोल में गई।

अंतिम मिनटों में कप्तान गौतम कुजूर को स्ट्रेचर पर ले जाना पड़ा, क्योंकि वह टैकल में खराब स्थिति में थे, लेकिन गोलकीपर सिन्हा ने चोट के समय में बचाव करते हुए टीम के लिए एक रन लिया।

कर्नाटक के स्थानापन्न डी. शेल्टोहन पॉल ने लंबी दूरी से एक प्रहार किया, क्योंकि सिन्हा पीछे हट गए और गेंद को क्रॉसबार पर मारकर बाहर कर दिया। हालांकि, इस प्रक्रिया में सिन्हा स्वयं पोस्ट से टकरा गए।

मणिपुर ने क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की मणिपुर ने गोल्डन जुबली स्टेडियम में मिजोरम के खिलाफ 4-1 से जीत के साथ संतोष ट्रॉफी 2023-24 क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया।

मणिपुर के लिए फिलम सनाथोई मीतेई ने दो दो (35, 90) हासिल किए, जबकि लीमाजाम संगकर सिंह (8) और स्थानापन्न पेबम रेनेडी सिंह (56) ने एक-एक स्कोर किया। मैच के अंत में माल्सावमजुआला ल्लांगटे (84) ने मिजोरम के लिए एक गोल किया, लेकिन मणिपुर ने पहले ही मैच पर मजबूत पकड़ बना ली थी।

इस प्रकार, मणिपुर चार मैचों में 10 अंकों के साथ ग्रूप बी में शीर्ष पर बना हुआ है और उसकी स्टैंडिंग में शीर्ष चार में जगह पक्की है। अपने आखिरी ग्रूप बी मैच में दिल्ली के खिलाफ ड्रॉ उनके लिए शीर्ष स्थान सुरक्षित करने के लिए पर्याप्त होगा। आखिरी मिनट में स्ट्राइक ने दिल्ली की जगह पक्की कर दी। दिल्ली ने गुस्से में आकर आखिरकार गोल्डन जुबली स्टेडियम में उतार-चढ़ाव वाले खेल में महाराष्ट्र को 3-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

एशियाई खेलों की विजेता पलक ने एयर पिस्टल ट्रायल के पहले दिन स्वर्ण जीता

भोपाल,01 मार्च 2024। मौजूदा एशियाई खेलों की चैंपियन हरियाणा की पलक ने एमपी राज्य शूटिंग अकादमी रेंज में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल टी3 ट्रायल जीत लिया। राजस्थान के निशानेबाज अमित शर्मा, जिन्होंने पिछले साल दक्षिण कोरिया के चांगवोन में आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप में टीम रजत पदक जीता था, पुरुषों की एयर पिस्टल टी3 स्पर्धा में विजयी हुए। पलक ने महाराष्ट्र की शीतल प्रीतम देसाई की चुनौती पर काबू पा लिया, जिन्होंने पहले 581 के स्कोर के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया था। पलक ने 242 का स्कोर किया, जबकि शीतल 240.6 के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। स्टेटमेट सुरुचि तीसरे स्थान पर रहीं।

डब्ल्यूएफआई के तहत चयन ट्रायल में उतरने से बजरंग का इंकार

नई दिल्ली,01 मार्च 2024। आगामी राष्ट्रीय ट्रायल में भाग लेने के भारतीय कुश्ती महासंघ के न्योते को ठुकराते हुए अनुभवी पहलवान बजरंग पूनिया ने दिल्ली उच्च न्यायालय में आपात संयुक्त याचिका दायर करके 10 और 11 मार्च को डब्ल्यूएफआई द्वारा आयोजित चयन ट्रायल पर रोक लगाने की मांग की है।

सूत्रों से पता चला है कि बजरंग, विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और उनके पति सत्यव्रत कादियान ने बुधवार को अदालत की शरण ली है। बजरंग ने याचिका दायर करने की पुष्टि नहीं की लेकिन भारतीय कुश्ती पर सरकार की चुप्पी पर सवाल दागे।पिछले दो महीने से रूस में अभ्यास कर रहे बजरंग ने पीटीआई से कहा कि अगर ट्रायल संजय सिंह की अगुवाई वाली डब्ल्यूएफआई करा रही है तो वह इसमें हिस्सा नहीं लेंगे। उन्होंने कहा ,'' अगर मुझे ट्रायल में भाग नहीं लेना होता तो मैं अपने अभ्यास पर 30 लाख रूपये खर्च नहीं करता लेकिन निलंबित डब्ल्यूएफआई ट्रायल कैसे करा रहा है। सरकार इसे मंजूरी कैसे दे सकती है।''

उन्होंने कहा ,'' मुझे समझ में नहीं आता कि भारत सरकार द्वारा निलंबित खेल ईकाई ट्रायल का ऐलान कैसे कर सकती है। सरकार क्यों चुप है। अगर तदर्थ समिति या सरकार ट्रायल करायेगी तो ही हम इसमें भाग लेंगे।''

डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने प्रदर्शनकारी पहलवानों से अतीत को भुलाकर ट्रायल में भाग लेने के लिये कहा।बजरंग ने कहा कि वह अकेले नहीं बल्कि साक्षी मलिक और विनेश फोगाट भी ट्रायल में नहीं उतरेंगी। उन्होंने कहा ,'' यह हमारा संयुक्त फैसला है। इसमें हम साथ हैं।'' साक्षी और विनेश से इस बारे में संपर्क नहीं हो सका है।

नवारो सैन डिएगो ओपन के क्वार्टरफाइनल में

सैन डिएगो,01 मार्च 2024। अमेरिका की एम्मा नवारो ने सैन डिएगो ओपन में कतेरीना सिनियाकोवा को 6-3, 3-6, 6-1 से हराकर सीजन के अपने तीसरे क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

इस महीने नवारो की सिनियाकोवा पर यह दूसरी जीत है, जिसने दुबई टेनिस चैंपियनशिप में चेक खिलाड़ी को तीन सेटों में हराया था।

सीजन के अपने तीसरे सेमीफाइनल और सैन डिएगो के पिछले पतन के बाद पहली बार डब्ल्यूटीए 500 में जगह बनाने के लिए नवारो का सामना शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियाई क्वालीफायर डारिया सैविले से होगा।

22 वर्षीय खिलाड़ी ने जनवरी में होबार्ट में अपना पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीता और इस सीजन में पहले ही 14 मुख्य ड्रॉ जीत चुकी हैं। एटीपी के अनुसार, वह इस सीजन में तीसरी सबसे अधिक जीत के मामले में विश्व नंबर 1 इगा स्विएटेक के साथ बराबरी पर हैं और केवल एलेना रयबाकिना (17) और जेलेना ओस्टापेंको (16) से पीछे हैं।

मल्टी डे महिला टूर्नामेंट का बीसीसीआई करेगा आयोजन

नई दिल्ली,01 मार्च 2024। भारत में क्रिकेट खेल नहीं, जुनून है। यहां फैंस को फर्क नहीं पड़ता कि क्रिकेट के कौन से फॉर्मेट का मैच खेला जा रहा है। हालांकि, ये जुनून महिला क्रिकेट के मामले में थोड़ा ठंडा पड़ जाता है, लेकिन बीते कुछ साल में महिला क्रिकेटरों ने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा है। यही वजह है कि बीसीसीआई महिला प्रीमि?यर लीग के बढ़ते क्रेज के बीच अब महिल रेड-बॉल टूर्नामेंट आयोजित करने पर भी विचार कर रहा है।

डब्ल्यूपीएल 2024 के बीच खबर आ रही है कि बीसीसीआई ने एक बहु-दिवसीय प्रतियोगिता आयोजित कर देश में महिला रेड-बॉल क्रिकेट शुरू करने की योजना तैयार की है। अगर ऐसा होता है तो भारतीय महिला क्रिकेट के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि हो सकती है। बताया जा रहा है कि यह टूर्नामेंट मौजूदा महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल 2024) के तुरंत बाद आयोजित होने वाला है, जो 17 मार्च को समाप्त होगा। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मल्टी डे महिला टूर्नामेंट का आयोजन करने का फैसला किया है। यह तीन दिन का होगा। टूर्नामेंट 29 मार्च से पुणे में शुरू होगा।इस टूर्नामेंट में 6 टीमें हिस्सा लेंगी। टीमों को क्षेत्रों के आधार पर बांटा गया है। इसमें पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, मध्य और नॉर्थ ईस्ट की टीम इसमें शामिल होंगी। ये टीमें पांच मैचों की सीरीज में हिस्सी लेंगी। टूर्नामेंट 29, 30 और 31 मार्च को एक साथ होने वाले दो क्वार्टर फाइनल के साथ शुरू होगा। इस चरण के बाद चैंपियनशिप दो सेमीफाइनल तक पहुंच जाएगी, जो 5, 6 और 7 अप्रैल को आयोजित होने की उम्मीद है। टूर्नामेंट का फाइनल 9, 10 और 11 अप्रैल को निर्धारित है।

कृति सेनन ने थ्रिलर दो पत्ती के साथ प्रोडक्शन में कदम रखा

विभिन्न भूमिकाओं में अपने मनमोहक अभिनय के लिए जानी जाने वाली कृति सेनन ने लगातार अपनी अभिनय क्षमता से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है। एक आकर्षक लड़की का किरदार निभाने से लेकर पात्रों की जटिलताओं को गहराई से समझने तक, उन्होंने फिल्म प्रेमियों के दिलों में अपने लिए एक जगह बनाई है। अपने नवीनतम प्रयास में, कृति एक निर्माता की भूमिका निभाती है और अपनी उपलब्धि में एक और उपलब्धि जोड़ती है। उत्पादन में उद्यम करने का निर्णय नए क्षितिज तलाशने और ऐसे अवसर पैदा करने की उनकी इच्छा को दर्शाता है जो उनकी रचनात्मक दृष्टि से मेल खाते हों। दो पत्ती के साथ, कृति का लक्ष्य स्क्रीन पर जादू बुनना है, दर्शकों को एक ऐसी कहानी से मंत्रमुग्ध करना है जो मनोरंजक और यादगार दोनों होने का वादा करती है। दो पत्ती दर्शकों के इंतजार की एक दिलचस्प झलक पेश करती है। सुरम्य उत्तर भारत की पृष्ठभूमि में, यह फिल्म रहस्य और साजिश की एक दिलचस्प कहानी के रूप में सामने आती है। टीज़र में कृति की मौजूदगी उन्हें एक आकर्षक नए अवतार में दिखाती है, जो एक ऐसे किरदार की ओर इशारा करती है जो जितना रहस्यमय है उतना ही सम्मोहक भी है। इस सिनेमाई यात्रा में कृति के साथ प्रतिभाशाली अभिनेत्री काजोल भी शामिल हैं, जिनका एक पुलिस अधिकारी का किरदार कहानी में गहराई की एक और परत जोड़ता है। दो पावरहाउस कलाकारों के बीच इस सहयोग ने उत्सुकता बढ़ा दी है, प्रशंसकों को इन दो दिग्गजों के बीच ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री का बेसब्री से इंतजार है। दूरदर्शी फिल्म निर्माता शशांक चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित, दो पत्ती एक सिनेमाई उत्कृष्ट कृति होने का वादा करती है जो कहानी कहने की सीमाओं को आगे बढ़ाती है। रहस्य और रहस्य से भरी कहानी के साथ, यह फिल्म दर्शकों को भावनाओं की एक रोलरकोस्टर सवारी पर जाने के लिए आमंत्रित करती है, जहां हर मोड़ और मोड़ उन्हें अपनी सीटों से बांधे रखता है। जैसे ही कृति सैनन एक निर्माता के रूप में अपनी नई भूमिका में कदम रखती हैं।

15 टेक के बाद भी एक डांस स्टेप नहीं कर पाए सलमान खान

कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस ने कहा कि आम धारणा के विपरीत, जब कड़ी मेहनत और समर्पण की बात आती है तो सलमान खान शाहरुख खान के विपरीत नहीं हैं। एक साक्षात्कार में, बॉस्को से पूछा गया कि कौन से अभिनेता स्वेच्छा से आत्मसमर्पण करते हैं, और उनमें से कौन कोरियोग्राफर के निर्देशों का विरोध करता है। जब बॉस्को ने निर्देशन का अनुसरण करने के लिए असाधारण रूप से इच्छुक होने के लिए शाहरुख और सैफ अली खान की प्रशंसा की, तो उनसे पूछा गया कि क्या यह सच है कि सलमान अपना काम खुद करते हैं। उन्होंने सिद्धार्थ कन्नन से कहा, यह सच नहीं है। सलमान भाई के साथ, पार्टनर के दौरान, हमने मारिया मारिया के लिए 27 टेक लिए। हम अबू धाबी में थे, दोपहर के एक बज रहे थे, चिलचिलाती गर्मी में हम बार-बार वहां जा रहे थे। एक ऐसी चाल थी जिसे वह पूरा नहीं कर सका। इसलिए 15वें टेक पर, मैं उसके पास गया और ठीक है कहा, और चला गया। वह जानता था कि मैं संतुष्ट नहीं हूँ और मैं बस आगे बढ़ना चाहता हूँ। उन्होंने मुझे फोन किया और कहा, जब तक तुम्हें नहीं मिल जाता, तब तक मत कहना कि ठीक है। भले ही इसके लिए 100 टेक की आवश्यकता हो, मैं इसे करूंगा। बॉस्को ने कहा कि सलमान इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं।

परिणीति चोपड़ा ने चमकीला की शूटिंग के दौरान दिलजीत दोसांझ से सीखा

परिणीति चोपड़ा और दिलजीत दोसांझ इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित आगामी फिल्म अमर सिंह चमकीला में सह-कलाकार बनने की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में, मुख्य अभिनेत्री परिणीति ने दिलजीत दोसांझ के साथ काम करने को लेकर अपना उत्साह साझा किया और फिल्म में साथ काम करने के अनुभव पर अपने विचार व्यक्त किए। दिलजीत दोसांझ के साथ काम करने पर परिणीति चोपड़ा पीटीआई के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में परिणीति चोपड़ा ने बताया, जब मैंने यह फिल्म साइन की थी, तो यह वास्तव में एक ड्रीम रोल था। इस फिल्म की शूटिंग से पहले, मैं सोचती थी कि मैं अच्छी पंजाबी बोल लेती हूं और अच्छे गाने गा सकती हूं। फिर मेरी मुलाकात दिलजीत जी से हुई।, मुझे दोनों विभागों में रियलिटी चेक मिला। मैं दिलजीत के सामने एक छात्र था। मैं दिलजीत के साथ अपने उच्चारण की जांच करता था। (कि) मैं शब्द का सही उच्चारण कर रहा हूं या नहीं, या मुझे यह कैसे करना चाहिए? हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि हमें हमारे जैसा नहीं गाना चाहिए। हमें वैसा गाने की कोशिश करनी थी अमरजोत और चमकीला दिलजीत दोसांझ ने चमकीला के बारे में बात की दिलजीत दोसांझ ने साझा किया कि इम्तियाज अली से मिलने से पहले, उन्हें अमर सिंह चमकीला की कहानी पर अपनी पकड़ पर भरोसा था। चमकीला बायोपिक के लिए बॉलीवुड की योजनाओं के बारे में जानकर, उन्होंने उनके दृष्टिकोण पर सवाल उठाया, यह सोचते हुए, हम इसे बनाएंगे, जिसके परिणामस्वरूप अधिकारों के मुद्दों के कारण काल्पनिक फिल्म जोड़ी का निर्माण हुआ। दुर्भाग्य से, जब महामारी आई, तो जोड़ी को रिहा नहीं किया जा सका। एक आश्चर्यजनक मोड़ में, इम्तियाज अली ने दिलजीत को फोन किया। अधिकारों पर कानूनी असर की आशंका से, दिलजीत आश्चर्यचकित रह गए जब इम्तियाज ने गायक के बारे में अपनी फिल्म में उन्हें कास्ट करने में रुचि व्यक्त की। दलजीत ने याद करते हुए कहा, मैंने सोचा था कि वह हम पर मुकदमा करेंगे, लेकिन वह मुझे कास्ट करना चाहते थे।

छत्तीसगढ़ के कई जिलों में ईडी का जबरदस्त छापा

2 मंत्रियों के करीबी,कांग्रेस नेता,ठेकेदार समेत 5 शहरों में ईडी का छापा

रायपुर,01 मार्च 2024 (ए)। आज शुक्रवार को छत्तीसगढ़ में 2 मंत्रियों के करीबी, कांग्रेस नेता, ठेकेदार समेत 5 शहरों में ईडी ने दबिश दी है। ईडी की टीम ने एक बार फिर से कई ठिकानों पर दबिश दी है। ठेकेदार अशोक अग्रवाल के निवास पर ईडी का छापा पड़ा है। वहीं कचांदूर में कांग्रेस नेता तोरण चंद्राकर के घर में ईडी का छापा पड़ा है। शुक्रवार को पांच अलग-अलग ठिकानों में इस कार्यवाही को अंजाम दिया गया है। तीन ठिकानों के बाद अंबिकापुर जिले में ठेकेदार अशोक अग्रवाल के निवास पर ईडी का छापा पड़ा है। यह छापेमारी डीएमएफ स्कैम को लेकर की गई है। यह छापेमारी डीएमएफ स्कैम को लेकर की गई है।

आरोप है कि, ठेकेदार अशोक अग्रवाल ने बलरामपुर से लेकर बस्तर तक डीएमएफ फंड से काम किया था। आज दो गाड़ियों में सवार होकर आठ अधिकारियों की टीम ठेकेदार के घर में पहुंची। वहीं घर के बाहर केंद्रीय सुरक्षा बल के जवान तैनात किए गए हैं। साथ ही उनके घर में रखे कंप्यूटर और दस्तावेजों की ईडी जांच कर रही है।

पूर्व मंत्री अनिला भेड़िया के प्रतिनिधि पीयूष सोनी भी टार्गेटेड

ईडी की टीम ने आज सुबह बालोद में पूर्व मंत्री अनिला भेड़िया के प्रतिनिधि पीयूष सोनी के निवास पर छापा मारा था। वहीं गुंडरदेही ब्लॉक के कचांदूर में कांग्रेस नेता तोरण चंद्राकर के घर में ईडी का छापा पड़ा। बताया जा रहा है कि, तोरण चंद्राकर के घर के आसपास बड़ी संख्या में ईडी की टीम मौजूद है।

पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल के करीबी जेपी अग्रवाल भी घेरे में

कोरबा में मंत्री जयसिंह अग्रवाल के करीबी बताए जा रहे कांग्रेस नेता लायन जेपी अग्रवाल के डीडीएम रोड स्थित निवास में और तीसरी टीम कोरिया जिले के मुख्यालय बैकुंठपुर में सीईओ राधेश्याम मिर्झा से पूछताछ कर रही है।

कोरबा डीएमएफ में भारी गड़बड़ी का नतीजा है ईडी कार्रवाई

बालोद जिले में ईडी की टीम ने पूर्व मंत्री अनिला भेड़िया के प्रतिनिधि पीयूष सोनी के डौंडी निवास में दबिश दी है। ईडी की टीम पीयूष सोनी से पूछताछ कर रही है। इसके अलावा राजस्व मंत्री जयसिंह के करीबी बताए जा रहे कांग्रेस नेता जेपी अग्रवाल के कोरबा में डीडीएम रोड स्थित निवास में ईडी ने छापा मारा है।वहां 2 गाड़ियों में 9 अधिकारी पहुंचे हैं।

सीईओ के सरकारी और निजी निवास पर ईडी की रेड

निलंबित आईएएस रानू साहू से जुड़ रहे तार

जिले के मनोरा सीईओ वीरेंद्र कुमार राठौर के सरकारी निवास पर ईडी ने दबिश दी है। जानकारी के मुताबिक मनोरा जनपद मुख्य कार्यपालन अधिकारी राठौर के सरकारी निवास में सुबह 5 बजे ईडी की टीम पहुंची और अभी भी कार्रवाई जारी है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक आईएएस रानू से तार जुड़ रहे हैं जिसको लेकर ईडी ने सीईओ को हिरासत में ले लिया है। जहां सीईओ से पूछताछ की जाएगी।

जानकारी यह भी है कि जनपद सीईओ के मनोरा स्थित सरकारी निवास के अलावे उनके निजी निवास पर भी ईडी की कार्रवाई चल रही है। सभी ठिकानों पर ईडी ने एक साथ दबिश दी है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक आईएएस रानू से तार जुड़े हैं। तत्कालीन कलेक्टर रानू साहू कोरबा में थी, तब ये जनपद सीईओ कटघोरा थे। उस समय डीएमएफ की राशि की जमकर बंदरबांट की गई थी। इस वजह से इनके यहां भी छपा पड़ा है। विधानसभा चुनाव से पहले इनका तबादला जशपुर किया गया था।

माना जा रहा है कि, कोरबा में चल रही कार्रवाई डीएमएफ की अनियमितता मामले में जांच करने पहुंचे हैं। ईडी की तीनों टीमों के साथ सुरक्षाबलों के जवान मौजूद हैं।

विधायक देवेंद्र यादव ने गिरफ्तारी से बचने लगाई अग्रिम जमानत याचिका

- ईडी के वकील बोले-नेताओं अफसरों ने जमकर की वसूली
- 540 करोड़ के कोल घोटाले में ईडी ने बनाया आरोपी

बिलासपुर,01 मार्च 2024 (ए)। प्रदेश के बहुचर्चित 540 करोड़ का कोल घोटाले में आरोपी विधायक देवेन्द्र यादव ने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत अर्जी लगाई थी जिसकी सुनवाई करते हुए जस्टिस एनके व्यास ने आज फैसला सुरक्षित रख लिया। वहीं ईडी ने इस अग्रिम जमानत याचिका का विरोध किया है। इससे पहले विधायक देवेन्द्र यादव ने राजधानी की विशेष अदालत में भी अग्रिम जमानत याचिका लगाई जो खारिज हो चुकी है। वहीं कोर्ट ने इस मामले को लेकर कहा था कि इस कोल घोटाले से जुड़े पैसे का इस्तेमाल विधायक देवेन्द्र यादव ने विधानसभा चुनाव में किया था। विशेष अदालत से याचिका खारिज होने के बाद ही विधायक देवेन्द्र यादव ने हाईकोर्ट में अर्जी लगाई थी। ईडी के वकील ने इस अग्रिम जमानत याचिका का विरोध किया और कहा कि ईडी की जांच में साक्ष्यों को बताया। ईडी वकील ने यह भी कहा कि विधायक देवेन्द्र यादव सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ भी ईडी ने आरोप पत्र पेश किया है, इस पत्र में कोल मामले में अधिकारियों और नेताओं ने मिलकर वसूली की है। सभी पक्षों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया।इस मामले में अन्य अरोपियों में रानू साहू, निखिल चंद्राकर के अलावा विनोद तिवारी, देवेंद्र यादव, चंद्रदेव राय, आरपी सिंह, रोशन सिंह, पीयूष साहू, नवनीत तिवारी, मनीष उपाध्याय, नारायण साहू आरोपी बनाए गए हैं। नारायण साहू और पीयूष साहू दोनों ही सूर्यकांत तिवारी के स्टाफ हैं।

महादेव सट्टेबाजी मामले में अब तक 1296 करोड़ की संपत्ति अटैच

रायपुर,01 मार्च 2024 (ए)। महादेव सट्टा एप की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अब तक 1296 करोड़ रुपए जब्त किए हैं। इस बात का खुलासा करते हुए ईडी ने बताया कि हाल ही में मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, इंदौर और रायपुर में छापे के बाद 580 करोड़ रुपए सीज किए थे। मामले में अभियोजन शिकायतें 20 अक्टूबर 2023 और 1 जनवरी 2024 दर्ज की गई हैं। मामले में नौ आरोपियों को पहले ही पकड़ा जा चुका है। अवैध सट्टेबाजी ऐप महादेव ऑनलाइन बुक के खिलाफ की जा रही जांच की कड़ी में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हाल ही में कोलकाता, गुरुग्राम, दिल्ली, इंदौर, मुंबई और रायपुर में मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के खिलाफ व्यापक तलाशी अभियान चलाते हुए 1.86 करोड़ रुपए नकदी के साथ 1.78 करोड़ रुपए रुपये के कीमती सामान बरामद किए हैं। इसके साथ ही 580.78 करोड़ रुपये की आय को भी जब्त करने के साथ पहचान की है।

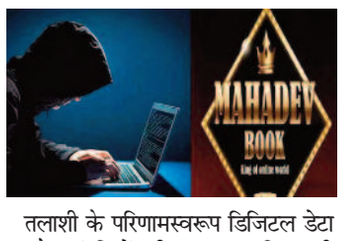

तलाशी के परिणामस्वरूप डिजिटल डेटा और संपत्तियों की पहचान सहित बड़ी संख्या में आपत्तिजनक साक्ष्य जब्त किए गए। ईडी ने छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की. इसके बाद, विशाखापत्तनम पुलिस और अन्य राज्यों द्वारा दर्ज की गई अन्य एफआईआर को भी रिकॉर्ड पर लिया गया। मामले की ईडी जांच से पता चला है कि महादेव ऑनलाइन बुक का संचालन दुबई से किया जा रहा है,और यह अपने ज्ञात सहयोगियों को 70 प्रतिशत -30 प्रतिशत लाभ अनुपात पर पैनल/शाखाओं की फ्रेंचाइजी देकर संचालित होता है। महादेव ऑनलाइन बुक के मुख्य प्रमोटर रेड्डी अन्ना, फेयरप्ले आदि जैसे कई ऑनलाइन सट्टेबाजी बुक में भी भागीदार/प्रमोटर हैं,सट्टेबाजी की आय को ऑफ-शोर खातों में भेजने के लिए बड़े पैमाने पर हवाला ऑपरेशन किए जाते हैं। ईडी ने जांच के दौरान पाया कि कोलकाता का रहने वाला हरि शंकर टिबरेवाल, जो वर्तमान में दुबई में रहता है,एक बड़ा हवाला ऑपरेटर है,और उसने महादेव ऑनलाइन बुक के प्रमोटरों के साथ साझेदारी की है। ईडी ने उनके ज्ञात परिसरों और उनके सहयोगियों के परिसरों पर तलाशी ली।

सीजीपीएससी में सुधार आयोग बनेगा

छत्तीसगढ़ी भाषा में आएगा पेपर

रायपुर,01 मार्च 2024(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार सीजीपीएससी में सुधार आयोग का गठन करने जा रही है. विनियोग विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए राज्य के वित्त मंत्री ने यह घोषणा की है. उन्होंने कहा कि सीजीपीएससी परीक्षा प्रक्रिया में सुधार किया जायेगा.इसके लिए एक सुधार समिति का गठन किया जायेगा. वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने यह भी कहा कि इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के युवाओं के हितों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा ताकि राज्य के युवाओं को यूपीएससी की तैयारी में लाभ मिल सके. उन्होंने कहा कि सीजीपीएससी में छत्तीसगढ़ी भाषा और संस्कृति पर आधारित प्रश्नपत्रों को शामिल किया जाएगा ताकि स्थानीय छत्तीसगढ़ी युवाओं के हितों की रक्षा की जा सके और सर्वोत्तम पारदर्शी मॉडल लागू किया जा सके।विभागीय सूत्रों की मानें तो जल्द ही आयोग का गठन किया जायेगा. इसके लिए विशेषज्ञों का चयन किया जायेगा. इनमें रिटायर आईएएस-आईपीएस भी शामिल हो सकते हैं. परीक्षा प्रक्रिया में सुधार के लिए यूपीएससी सलाहकारों से भी संपर्क किया जा रहा है। कांग्रेस शासनकाल में पीएससी चेयरमैन तमन सोनवानी के रिश्तेदारों के नौकरियों में चयन को लेकर भाजपा ने पीएससी में इस तरह के बदलाव करने का वादा किया था।विनियोग विधेयक एक तरह से वह विधेयक है जिसमें सरकार बजट के बाद जारी राशि को विभागों को सौंप देती है, यह खर्च करने की अनुमति के समान है. चर्चा के दौरान श्री ओपी चौधरी ने कहा कि मोदी जी के आश्वासन के अनुरूप छत्तीसगढ़ राज्य को विकासशील से विकसित राज्य की ओर ले जाना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार पूरी तरह से ज्ञान (गरीब, युवा, अन्नदाता, महिला) के लिए समर्पित है और इसके लिए बजट में विशेष प्रावधान किये गये हैं

रिहायशी इलाके में हाथी का उत्पात

रायगढ़,01 मार्च 2024 (ए)। जिला मुख्यालय से महज 8 किलोमीटर दूर जुनवानी गांव में गुरुवार देर रात एक हाथी ने गांव में उत्पात मचाया। हाथी ने तीन मकान और एक मकान के बाउण्ड्री को तोड़ दिया है। मामले की जानकारी मिलने के बाद शुक्रवार की सुबह वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, रायगढ़ जिले के बंगुरसिया-जुनवानी क्षेत्र के जंगलों में पिछले लंबे समय से हाथियों ने डेरा डाला हुआ है। रायगढ़ वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जुनवानी गांव में गुरुवार देर रात तकरीबन 3 बजे एक नर हाथी ने गांव में दस्तक दी। इस दौरान भोजन की तलाश में हाथी ने एक-एक करके तीन घरों को तोड़ दिया है। हाथी ने जिनके मकानों को तोड़ा उनमें बसंत मालाकार, हरिहर मैत्री, शांति बाई यादव के अलावा महावीर साहू के मकान को तोड़ा है। इस घटना में घर में सो रही शांति बाई यादव के पैर में चोट लगने की वजह से मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें कि हाथी कभी भी रिहायशी क्षेत्र में पहुंचकर जमकर उत्पात मचाते हुए वापस जंगलों में लौट जाते हैं।

जेलर पर कार्रवाई के निर्देश

पिटाई मामले पर हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान

बिलासपुर,01 मार्च 2024(ए)। सारंगढ़ में जेलर की पिटाई से 10 बंदियों के घायल होने की खबर पर संज्ञान लेते हुए राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष जस्टिस गौतम भादुड़ी ने संज्ञान लेते हुए जांच रिपोर्ट मांगी है। पिछले दिनों खबर प्रकाशित हुई थी कि सारंगढ़ जेल में जेलर संदीप कश्यप की पिटाई से 10 कैदियों के साथ मारपीट की गई। जेलर ने इनसे रुपये की मांग की थी। एक बंदी बरमकेला के दिनेश चौहान से घर से मंगाकर 50 हजार रुपये देने की मांग की। रुपये नहीं मिलने पर नाराज होकर उसके व अन्य बंदियों के साथ मारपीट की। मारपीट से कैदी घायल हो गए जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। एक कैदी का सिर भी फूटा है।

मामले में जस्टिस भादुड़ी ने जेल महानिदेशक को आवश्यक जांच और कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा रायगढ़ के जिला न्यायाधीश और जिला विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष को भी बंदियों और परिजनों को आवश्यक विधिक सहायता देने तथा रिपोर्ट प्रस्तुत करने कहा गया है। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने भी समय समय पर जेल में निरूद्ध बंदियों को विधिक सहायता देने का आदेश दिया है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं सालसा के मुख्य संरक्षक न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने भी समय समय पर जेल का निरीक्षण कर छत्तीसगढ़ की जेलों में निरूद्ध बंदियों के मानव अधिकार को सुरक्षित रखने तथा उनके साथ मानवीय व्यवहार करने पर जोर दिया है।

बीजेपी नेता शैलेंद्र जायसवाल ने धमकी से तंग आकर कर ली आत्महत्या

ब्लैकमेल करने वाली जीएफ सोनिया लकड़ा गिरफ्तार

मुंगेली,01 मार्च 2024(ए)। लोरमी के भाजपा नेता शैलेंद्र जायसवाल को आत्महत्या के लिए उकसाने वाली सोनिया लकड़ा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पूरा मामला लोरमी नगर पंचायत का है। 8 महीने पहले नगर पंचायत के एल्डरमैन और बीजेपी नेता शैलेन्द्र जयसवाल ने आत्महत्या कर ली थी। पैसे के लिए जयसवाल को ब्लैकमेल कर मानसिक रूप से परेशान करने वाली सोनिया लकड़ा को पुलिस ने आज गिरफ्तार कर लिया।

गौरतलब हैं कि आठ माह पूर्व शैलेंद्र जायसवाल उर्फ शीलू ने बिजली के खंभे पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया था। मौत से पहले शैलेन्द्र जायसवाल ने एक सुसाइड नोट भी लिखा था जिसमे आरोपी सोनिया के नाम का जिक्र था। मृतक शैलेन्द्र जायसवाल के सुसाइड नोट के आधार पर आज उसकी एक्सपर्ट राइटिंग की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने सोनिया लकड़ा को उसके गांव जमुनाही थाना खुड़िया से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया हैं।

स्वजन की मांग पर दोबारा कराया पीएम

शैलेंद्र और युवती के बीच चल रहा था अफेयर को लेकर एसडीओपी माधुरी धीरही ने बताया कि युवती और बीजेपी नेता शैलेंद्र जायसवाल के बीच 2018 से जान पहचान थी। जांच में पुलिस ने मृतक के मोबाइल के सीडीआर भी खंगाले जिसमें दोनों के बीच रोजाना घंटों बातचीत की बात भी सामने आई है। वहीं पकड़ी गई युवती ने भी पुलिस की पूछताछ में बताया कि शैलेंद्र के साथ उसका अफेयर था। वे अक्सर फोन पर बातें किया करते थे।

सुसाइड नोट के आधार पर कार्रवाई

सुसाइड नोट की पड़ताल के लिए पुलिस ने हैंड राइटिंग एक्सपर्ट की मदद ली। करीब 7 महीने का बाद हैंड राइटिंग एक्सपर्ट की रिपोर्ट में पता चला कि शैलेंद्र ने ही सुसाइड नोट लिखा था। पुलिस ने सोनिया लकड़ा के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया। पुलिस ने 306 के तहत अपराध दर्ज कर महिला को लोरमी के पुराने बस स्टैंड के पास उसके घर से गिरफ्तार किया गया। महिला से घटना के संबंध में पूछताछ जारी है। मालूम हो कि मृतक बीजेपी नेता शैलेन्द्र जायसवाल 45 वर्ष पूर्व एल्डरमैन के अलावा सांसद प्रतिनिधि भी था।

आयशर ट्रक से 44 लाख का गांजा जब्त

बैरियर नाका में पुलिस ने पकड़ा

धमतरी,01 मार्च 2024(ए)। पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय द्वारा अंतर्राज्यीय सीमा पर अवैध तस्करों पर सतत् निगाह रख,उनके विरुद्ध कार्यवाही करने के सख्त निर्देश दिये गए हैं। जिसके लिए समय पर प्रभारियों को आसूचना तंत्र को मजबूत करते हुए एवं संदिग्ध आचरण के व्यक्तियों पर सतत निगरानी रखने हेतु निर्देशित किया गया है। जिस पर आज थाना प्रभारी बोराई निरी.प्रमोद अमलतास द्वारा बोराई चेक पोस्ट नाके पर मय स्टॉफ के नाकाबंदी पाईंट एवं जांच कार्यवाही की जा रही थी तभी उड़ीसा के तरफ से आते एक ट्रक क्रमांक आरजे-06-जीडी -5696 को थाना बोराई के सामने बैरियर नाका के पास संदेह के आधार पर रोककर चेक किया गया जिसमें दो व्यक्ति बैठे मिले पुछताछ में गतिविधि संदिग्ध लगी तब उनका नाम पुछने पर अशोक शर्मा पिता भेरु लाल शर्मा, उम्र 27 वर्ष, साकिन डोड़खेड़ा भीलवाड़ा और दूसरे ने जीवन लाल गुर्जर पिता भगवा राम गुर्जर उम्र 31 वर्ष साकिन ग्राम जोधा का खेड़ा तहसील आसिंद, बोरेला, भीलवाड़ बताया। जिससे तलाशी लेने पर 09 सफेद बोरे में 43 पैकेट खाखी टेप लिपटा हुआ मादक पदार्थ गांजा वजन 221.313 किलोग्राम कीमती करीबन 44,26,260/- लाख रूपये जप्त किया गया गया।

श्रमिकों के मेधावी बच्चों को मिली 11 करोड़ 32 लाख रूपए की प्रोत्साहन राशि

रायपुर,01 मार्च 2024(ए)। छत्तीसगढ शासन के श्रम विभाग के हितग्राही मूलक योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु छत्तीसगढ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों के लिए संचालित मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना और मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना में 11 करोड़ 32 लाख 64 हजार 807 रूपए की प्रोत्साहन राशि दी गई है। मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना में हितग्राही के प्रथम दो बच्चों को कक्षा पहली से उच्च कक्षाओं के लिए एक हजार से दस हजार रूपये राशि दिये जाने का प्रावधान है। इस योजना में वर्तमान वित्तीय वर्ष में 45032 हितग्राहियों को कुल 9,66,49,760 राशि प्रदान किया गया। इसी प्रकार हितग्राही के प्रथम दो बच्चों हेतु संचालित मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना में कक्षा दसवी से उच्च कक्षाओं में 75 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पांच हजार से एक लाख रूपये राशि दिये जाने का प्रावधान है। इस योजना में 1114 हितग्राहियों को कुल एक करोड़ 66 लाख 15,047 राशि प्रदाय किया गया। अपर श्रमायुक्त सह सचिव छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा बताया गया कि पंजीयन एवं योजना के आवेदन एवं विस्तारपूर्वक जानकारी हेतु सभी विकासखण्डों में संचालित मुख्यमंत्री श्रम संसाधन केन्द्र व जिला कलेक्टोरेट स्थित कार्यालय श्रम विभाग एवं श्रमेव जयते मोबाईल एप्लीकेशन के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)